रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, बुधवार 16 अक्टूबर 2024, वर्ष 10, अंक 276 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

चंपाई के बीजेपी में जाने से 14 सीटों पर असर क्या सीट शेयरिंग में उलझेगा गठबंधन

झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो फेज में चुनाव होंगे। नतीजे 23 नवंबर 2024 को आएंगे।

झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो फेज में चुनाव होंगे। नतीजे 23 नवंबर 2024 को आएंगे। चुनाव से ठीक पहले हेमंत सोरेन के भरोसेमंद चंपाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। 2019 यानी झारखंड के पिछले विधानसभा चुनाव में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। 30 सीटों के साथ जेएमएम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और गठबंधन के साथ सरकार बनाई। 4 साल सब कुछ ठीक रहा, लेकिन आखिरी साल काफी उठा-पटक मची।

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और चंपाई बने झारखंड के सीएम 31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से करीब 7 घंटे पूछताछ की। इसके बाद सोरेन को राजभवन ले जाया गया, जहां उन्होंने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफे के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में जेएमएम के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। सत्ताधारी दल ने कुल 47 विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंपा। राज्य में सरकार बनाने के लिए 81 सदस्यों की विधानसभा में 41 विधायकों का समर्थन चाहिए। 2 फरवरी 2024 को चंपाई सोरेन ने सीएम पद की शपथ ली। **2 फरवरी को सीएम पद की शपथ लेते चंपाई सोरेन।**

जेल से छूटकर 145 घंटे में फिर सीएम बने हेमंत सोरेन हेमंत सोरेन जमानत मिलने के बाद 28 जून को रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए। हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन भी उन्हें लेने के लिए जेल पहुंची थीं। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि मुझे झूठे आरोपों में 5 महीने जेल के अंदर रखा गया। झारखंड के लोगों के लिए 5 महीने बहुत कठिन थे। जेल से छूटने के 145 घंटे बाद ही उन्होंने दोबारा झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। झारखंड में महज 4 महीने बाद चुनाव होने थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चंपाई सोरेन इस्तीफा नहीं देना चाहते थे। 5 महीने जेल में बंद रहने के बाद 28 जून को रांची जेल से बाहर आते हेमंत सोरेन। उनके साथ पत्नी कल्पना सोरेन भी हैं।

चंपाई बीजेपी में शामिल हुए, 14 सीटों पर असर झारखंड के सीएम पद से हटाए जाने के बाद चंपाई सोरेन ने बीजेपी का दामन थाम लिया। चंपाई संथाल जनजाति से आते हैं। इस समुदाय के साथ अन्य आदिवासी जातियों पर भी उनकी तगड़ी पकड़ है। वो आदिवासी बहुल कोल्हान के बड़े नेता है। उन्हें 'कोल्हान टाइगर' भी कहा जाता है। इस इलाके में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में जेएमएम ने यहां 11 सीटों पर जीत हासिल की थी। दो सीट कांग्रेस और एक निर्दलीय को मिली थी। अब मुकाबला रोचक होगा, क्योंकि चंपाई सोरेन बीजेपी के साथ हैं। राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई कहते हैं कि देखिए कोल्हन में चंपाई सोरेन जेएमएम के बूते पहले राजनीति करते थे। कुछ महीने पहले ही उन्होंने बीजेपी का दामन थामा है। भले ही चंपाई बीजेपी की मानसिकता को अपना चुके हैं, लेकिन वोटर ऐसा नहीं होता है।

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए एक ही फेज में वोटिंग, 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर चुनाव परिणाम

केंद्रीय चुनाव आयोग (ECI) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों का इंतजार खत्म कर दिया है। आज से महाराष्ट्र के आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 288 है। महाराष्ट्र में 23 नवंबर को पता चल जाएगा कि वहां किसकी सरकार बनने वाली है।

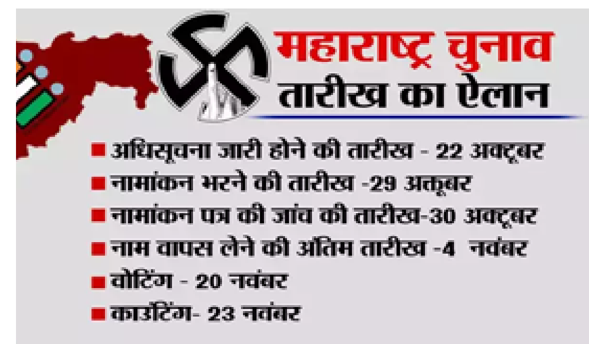

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटें के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग शेड्यूल को जारी कर दिया है। पूरे महाराष्ट्र में एक चरण की वोटिंग होगी। निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। 29 अक्टूबर से नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे और 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र में वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। राज्य में चुनाव की प्रक्रिया 25 नवंबर को पूरी हो जाएगी।

देखें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का पूरा शेड्यूल

नामांकन की शुरुआत	22.10.2024 (मंगलवार)
नामांकन की आखिरी तिथि	29.10.2024 (मंगलवार)
नामांकन पत्रों की जांच	30.10.2024 (बुधवार)
नाम वापस लेने की तारीख	04.11.2024 (सोमवार)
मतदान की तारीख	20.11.2024 (बुधवार)
वोटों की गिनती	23.11.2024 (शनिवार)
चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने की तारीख	25.11.2024

6.33 करोड़ मतदाता करेंगे नई सरकार का चुनाव महाराष्ट्र में निर्वाचन आयोग ने यात्रा की, जिसमें चुनाव की तैयारियों को जायजा लिया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि महाराष्ट्र के 36 जिले हैं और वहां 288 विधानसभा के लिए वोट डाले जाएंगे। 26 नवंबर को विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में 9.63 करोड़ मतदाता है, जिनमें से 1.85 युवा वोटर हैं। राज्य में 118600 पोलिंग बूथ होंगे। वोटिंग के लिए पीडब्ल्यूडी और विमेन बूथ भी बनाए जाएंगे। पिछली बार मुंबई शहर से शिकायतें आई थीं कि कुछ बूथ पर ज्यादा पोलिंग स्टेशन थे। इस बार ऐसा नहीं होगा। बीएमसी को इसके लिए निर्देश दिए गए हैं। पोलिंग लाइन के बीच में कुर्सी या बेंच की व्यवस्था की जाएगी।

बुजुर्गों को घर में मतदान करने का अवसर मिलेगा 85 वर्ष के वोटर घर से मतदान कर सकेंगे। पूरे चुनाव की वीडियोग्राफी की जाएगी, जिसे बाद में देखा जा सकता है। इस बार चुनाव आयोग वोटर हेल्पलाइन ऐप के जरिये सभी जानकारी उपलब्ध कराएगा। क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले कैंडिडेट को अखबार में तीन बार विज्ञापन देकर इसके बारे में जानकारी देनी होगी। अधिकारियों को निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए बहुत ही सख्त हिदायत दी गई है। अगर पक्षपात या प्रलोभन की जानकारी मिलती है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बॉर्डर समेत हर जगह आयोग निगरानी करेगा। सभी पोलिंग स्टेशन दो किमी के अंदर होंगे। अगर सोशल मीडिया पर झूठा नैरेटिव फैलाने की कोशिश की गई तो कंट्रोल रूम तुरंत कार्रवाई करेगा। सभी राजनीतिक और कैंडिडेट नियमों का पालन करते हुए निर्भय होकर कैंपेनिंग करें मगर दिशा निर्देशों का ध्यान रखे। **11:37 AM: MVA चुनावों के लिए तैयार हैः अनिल देशमुख**

एनसीपी-एससीपी नेता अनिल देशमुख ने कहा है कि महाविकास अघाडी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। महाविकास अघाडी के घटक कांग्रेस, एनसीपी-एससीपी और शिवसेना (यूबीटी) अन्य दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हम अच्छी तरह से समन्वय कर रहे हैं। महाराष्ट्र के लोग अभी गुस्से में हैं। किसान महंगाई की वजह से गुस्से में हैं। बड़े उद्योग जो महाराष्ट्र में आ सकते थे, वे दूसरे राज्यों में चले गए। इससे यहां के युवाओं को बहुत नुकसान हुआ। हम महाराष्ट्र में सरकार बनाने जा रहे हैं।

सांप का पूरा परिवार घरों तक पहुंचा, 12 रसेल वाइपर के मिलते ही वन विभाग को याद आए रामानुज

बेगूसरायः बिहार के बेगूसराय में सांपों का कुनबा अब घनी बस्तियों की ओर जा रहा है। इस दौरान सांप के घरों में प्रवेश करने से ग्रामीण परेशान हैं। बेगूसराय में बाढ़ के पानी में बहकर भारी संख्या में रसेल वाइपर और अन्य जहरीले सांप पहुंचे हैं। इन सांपों को रेस्क्यू कर वन विभाग को सौंपा जा रहा है। बेगूसराय में 6 रसेल वाइपर और एक दुर्लभ प्रजाति के गोल्डन कीट वाइपर सहित 15 सांपों को अलग-अलग जगहों से पकड़कर उन्हें वन विभाग को सौंप दिया गया। **रामानुज एक्सपर्ट हैं- वन विभाग** वन विभाग की ओर से सांपों को जंगल में छोड़ दिया गया। जिले के बलिया प्रखंड के शिवनगर निवासी रामानुज पासवान अब तक पांच हजार सांपों का रेस्क्यू कर चुके हैं। रामानुज लगातार सांपों को बचाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण के लिए सांपों का रहना आवश्यक है। वे सांपों को पकड़ कर वन विभाग को सौंपते हैं। हाल के दिनों में रामानुज ने बाढ़ के बाद गांव तक आने वाले दर्जनों सांप को पकड़ा है। उन्होंने एक महीने के अंदर 25 सांप का रेस्क्यू किया है। रामानुज अपने साथ एक बोरा, डब्बा और एक छड़ी रखते हैं।

समुद्र से लेकर आसमान तक नजर, भारत-अमेरिका के बीच MQ-9B आर्म्ड ड्रोन डील्स पर साइन

भारत और अमेरिका के बीच MQ-9B आर्म्ड ड्रोन डील पक्की हो गई है। दोनों पक्षों के बीच इस बाबत डील साइन हो गई है। 3.5 अरब डॉलर की इस डील के बाद भारत चीन से सटी LAC और पाकिस्तान की सीमा पर तगड़ी निगरानी रख पाएगा।

नई दिल्लीः भारत और अमेरिका ने मंगलवार को 31 MQ-9B आर्म्ड ड्रोन की डील साइन हो गई। ये डील करीब 3.5 बिलियन डॉलर की है। MQ-9B हाई एल्टीट्यूट लॉग एंड्योरेंस आर्म्ड अनमैन्ड एरियल वीइकल है। यानी यह लंबे वक्त तक हवा में रह सकता है और हाई एल्टीट्यूट में काम कर सकता है और यह रिमोटली ऑपरेट होता है। **नौसेना को भी मिलेगा फायदा** इस डील में ड्रोन के साथ 170 AGM-114R हेलफायर मिसाइलें, 16 M36E9 हेलफायर कैप्टिव एयर ट्रेनिंग मिसाइलें, 310 GBU-39B/B लेजर स्मॉल डायमीटर बम (SDB), और 08 GBU-39B/B LSDB गाइडेड टेस्ट वीइकल भी शामिल हैं। 31 MQ-9B ड्रोन में भारतीय नौसेना के लिए 15 सी गार्डियंस और भारतीय सेना और एयरफोर्स के लिए आठ-आठ स्काई गार्डियंस शामिल हैं। इस डील को पिछले हफ्ते ही कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी ने अपनी मंजूरी दी थी। **भारत की बढ़ेगी ताकत** इन अडवांस यूएवी से भारत की इंटेलिजेंस, निगरानी, और टोही (ISR) क्षमताओं में बढ़ोतरी होगी। नेवी को 15 सी गार्डियन मिलने पर इंडियन ओशन रीजन में निगरानी मजबूत होगी।इंडियन ओशन रीजन यानी हिंद महासागर रीजन की जिम्मेदारी नेवी के पास है।भारत की साइज से करीब तीन गुना बड़े हिंद महासागर रीजन पर निगरानी रखना एक चुनौती भरा टास्क है। **40 घंटे तक लगातार भर सकता है उड़ान** इसी डील में भारत में एक ग्लोबल रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (MRO) फैसिलिटी बनाना भी शामिल है।अमेरिकी कंपनी जनरल एटोमिक्स भारत में यह फैसिलिटी बनाएगी। जिससे भारत की स्वदेशी इंडस्ट्री को भी आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जनरल एटोमिक्स के मुताबिक MQ-9B ड्रोन प्रति घंटे 20 पर्सेंट खर्चे पर बड़े मानवयुक्त एयरक्राफ्ट की 80 पर्सेंट कैपेबिलिटी देगा। यह ड्रोन 40 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और हर मौसम में भी यह पूरी क्षमता से काम कर सकता है। इंडियन नेवी 2020 से MQ-9A यानी प्रीडेटर का इस्तेमाल कर रही है। ये लीज पर लिए गए हैं। पिछले महीने ही एक प्रिडेटर ड्रोन को चेन्नई के तट पर समुद्र में तकनीकी विफलता के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी।

झारखंड विधानसभा की 81 सीटों के लिए चुनाव आयोग ने तारीखों का किया ऐलान

Jharkhand Assembly Election 2024 Schedule: झारखंड विधानसभा की 81 सीटों के लिए चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया। झारखंड की सभी 81 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होगा। 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। जबकि 23 नवंबर को मतगणना होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया।

रांचीः झारखंड में 13 और 20 नवंबर 2024 को विधानसभा की 81 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। मुख्य चुनाव आयोग राजीव कुमार ने चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया। इसके तहत पहले चरण में 13 और दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी।

झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 को

चुनाव कार्यक्रम	तारीख
अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन	18 अक्टूबर
नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख	25 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच	28 अक्टूबर
नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि	30 अक्टूबर
मतदान की तिथि	13 नवंबर
मतगणना की तारीख	23 नवंबर
चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तारीख	25 नवंबर

झारखंड में दूसरे चरण का मतदान 20 को

चुनाव कार्यक्रम	तारीख
अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन	22 अक्टूबर
नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख	29 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच	30 अक्टूबर
नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि	1 नवंबर
मतदान की तिथि	20 नवंबर
मतगणना की तारीख	23 नवंबर
चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तारीख	25 नवंबर

झारखंड में 2.6 करोड़ मतदाता करेंगे वोटिंग

भारत निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में 2 करोड़ लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें एक करोड़ 29 लाख महिला और एक करोड़ 31 लाख पुरुष मतदाता शामिल है।

11.84 लाख मतदाता पहली बार डालेंगे वोट वर्ष 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में 18 से 19 वर्ष के 11 लाख 84 हजार मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। वहीं 20 से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की संख्या 66 लाख 84 लाख है।

झारखंड में 28 सीटें एसटी और 9 एससी के लिए आरक्षित

मुख्य चुनाव आयोग ने कहा कि झारखंड की 81 विधानसभा सीटों में से 28 सीटें अनुसूचित जनजाति और 9 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। झारखंड में 2.53 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जबकि निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में मतदान कराने के लिए सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए गए है। मौजूदा झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछले पांच साल से झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस और आरजेडी गठबंधन सरकार की चल रही है।

रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री हटाए गए, वरुण रंजन बने नए DC, बोकारो के SP भी बदले

बीजेपी ने मंजूनाथ भजंत्री को हटाने की मांग की थी
मृत्युंजय कुमार बरनवाल बने मनरेगा आयुक्त
बोकारो के एसपी पूज्य प्रकाश को हटाया गया

रांचीः भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव शेड्यूल जारी करने के ठीक पहले रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को हटा दिया गया है। उनके स्थान पर वरुण रंजन को रांची का नया डीसी बनाया गया है। इसके अलावा बोकारो के एसपी भी बदले है। वहीं कई अन्य आईएएस अधिकारियों का भी तबादला किया गया है।

बीजेपी ने मंजूनाथ भजंत्री को हटाने की मांग की थी कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग की ओर से इसे लेकर मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य निर्वाचन आयोग से मुलाकात कर रांची के उपायुक्त को हटाने की मांग की थी। **मृत्युंजय कुमार बरनवाल बने मनरेगा आयुक्त** झारखंड आजीविका संवर्धन सोसायटी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरनवाल को मनरेगा आयुक्त बनाया गया है। वहीं वरुण रंजन इससे पहले झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम के एमडी पद पर कार्यरत थे। **बोकारो के एसपी पूज्य प्रकाश को हटाया गया** झारखंड में चुनाव की घोषणा से पहले ही बोकारो के एसपी पूज्य प्रकाश को भी हटाया दिया गया है।

बांका में तेजस्वी यादव तो कटिहार में सीएम नीतीश का दौरा, जेडीयू और आरजेडी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह

***बांका/कटिहारः** बिहार के बांका जिले में जहां नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार देर शाम पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कटिहार आएंगे। दोनों नेताओं के दौरों को लेकर दोनों जिलों में तैयारियां जोरों पर है। तेजस्वी यादव जहां बिहार चुनाव को लेकर यात्रा पर हैं, वहीं सीएम नीतीश बरारी के लक्ष्मीपुर पंचायत स्थित बीएम कॉलेज में विस्थापित परिवारों से मिलेंगे। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सड़क मार्ग से बांका पहुंचेंगे । इसके बाद बुधवार को टाउन हॉल बांका में कार्यकर्ता दर्शन संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक-रामदेव यादव, पूर्व सांसद जय प्रकाश नारायण यादव, जिला अध्यक्ष, सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं पार्टी के वरीय नेताओं के साथ संगठन की मजबूती पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है।*

जल्द होंगे बीजेपी संगठन के चुनाव, पदाधिकारियों के नाम का हो गया ऐलान

नई दिल्लीः चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। वहीं हाल ही में हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव संपन्न हुए। लोकसभा और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के बाद अब भाजपा संगठन के चुनाव की तैयारियां तेज हैं। बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के चुनाव कराएगी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होना है। अध्यक्ष के रूप में जेपी नड्डा का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है। मगंलवार को बीजेपी ने संगठन के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारियों की घोषणा की है। **बीजेपी ने चुनाव अधिकारियों का किया ऐलान** बीजेपी ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया, बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संगठन चुनाव के संचालन के लिए चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की है। बीजेपी ने संगठन चुनाव के लिए सांसद डॉ के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा पार्टी ने सांसद नरेश बंसल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा और सांसद संबित पात्रा को सह चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने नियुक्त किए प्रभारी बीजेपी ने अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों की भी तैयारियां तेज कर दी हैं। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सांसद और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पाण्डा को प्रदेश चुनाव प्रभारी और सांसद अतुल गर्ग को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद पार्टी अब सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा करेगी।

सादगी की असली परिभाषा, रतन टाटा से क्या सीख सकते हैं 'नए अरबपति'

नई दिल्लीः भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान के दौरे पर जा रहे हैं। वह शंघाई सहयोग संगठन(SCO) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आज इस्लामाबाद पहुंचेंगे। किसी भी भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान दौरा करीब 10 साल बाद हो रहा है। हालांकि, उनका यह दौरा द्विपक्षीय नहीं है। इस दौरे से उत्साहित पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भी इसे भारत का स्मार्ट पहल करार दिया है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यौता भेजा था। मगर, मोदी सरकार ने जयशंकर को भेजने का फैसला किया। दरअसल, जयशंकर की विदेश नीति पर गहरी पकड़ है और वह कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से पाकिस्तान और चीन को करारा जवाब दे चुके हैं। जयशंकर की साफगोई और खरी-खरी की दुनिया दीवानी है। यहां तक कि उन्हें सोशल मीडिया पर भी इसकी तारीफ मिल चुकी है। जानते हैं कि जयशंकर की कूटनीतिक शैली और एससीओ के बारे में। **भारत का जयशंकर को भेजने का फैसला सहीः हिना** मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से बातचीत में पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि भारत ने किसी नौकरशाह को ना भेजकर जयशंकर को भेजने का फैसला करके स्मार्ट पहल की है। भारत के साथ हमारा द्विपक्षीय संबंध सामान्य स्तर पर नहीं है। वो भी ऐसे वक्त में जब दोनों देशों में एक दूसरे के यहां उच्चायुक्त भी नहीं हैं। ये बहुत अजीब स्थिति है। इससे पहले एक न्यूज चैनल में उन्होंने जयशंकर का स्वागत खुले दिल से किए जाने की बात कही थी। माना जा रहा है कि इस दौरे से भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की शुरुआत हो सकती है।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

वरुण रंजन ने रांची के नए डीसी के तौर पर पदभार ग्रहण किया

रांची के नए उपायुक्त वरुण रंजन ने पदभार ग्रहण कर लिया है। जानकारी हो कि वरुण रंजन को रांची का नया उपायुक्त बनाया गया है। कुछ दिन पहले ही राहुल सिन्हा को हटाकर मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी बनाया गया था। लेकिन उन्हें भी हटाकर वरुण रंजन को रांची उपायुक्त बनाया गया है।

इंडी गठबंधन की सरकार ने फोड़ा "दीपावली का बम": कांग्रेस

रांची : भाजपा के ताबड़तोड़ प्रहार और हताशा को नजरअंदाज करते हुए झारखंड की इंडिया गठबंधन की हेमंत सरकार ने दीपावली के पूर्व ही ऐसा बम छोड़ा है जिससे कि भाजपा की 2100 रूपए वाली गोगो दीदी योजना चारों खाने चित हो गई। गोगो दीदी योजना की जगह इंडिया गठबंधन की सरकार ने अब दिसंबर माह से मंईयां सम्मान योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर ढाई हजार रुपए तक कर दी है, जो दिसंबर माह से मिलने भी लगेगी। उक्त बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष सतीश कुमार मुंजनी ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ऐन केन प्रकरेण झारखंड की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। इसके लिए वह ईडी का सहारा लेती और ऐन चुनाव के वक्त ईडी की रेड इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न दलों के नेताओं पर कराया जाता रहा है। जिसका ताजा उदाहरण है इंडिया गठबंधन के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के भाई विनय कुमार ठाकुर व आईएएस मनीष रंजन सहित अभिनेताओं व ठेकेदारों के 18 ठिकानों पर की गई छापामारी। इसके बावजूद झारखंड की जनता सारी चीजों को समझती है और पूर्व के चुनाव और उपचुनाव में भाजपा गठबंधन को जिस तरह धूल चटाई है, वही हश्र आसन्न चुनाव में झारखंडी मतदाता दोहराने वाली है।श्री मुंजनी ने कहा की इस बार मतदाता किसी के बहकावे मे नहीं आने वाली है।

मांडर की सड़क दुर्घटना के मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित

मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने आज माण्डर सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित करते हुए भविष्य में भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मौके पर अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष समेत अन्य मौजूद थे।

झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरण में होंगे चुनाव

रांचीः भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इसी के साथ 15 अक्टूबर 2024 की शाम साढ़े तीन बजे से झारखंड में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड श्री के. रवि कुमार ने बताया है कि चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 18 और दूसरे चरण की 22 अक्टूबर को जारी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी। शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्रथमिकता सूची में है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पहले चरण में 43 विधानसभा क्षेत्रों में तथा दूसरे चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होंगे। पहले चरण के लिए नामांकन 25 अक्टूबर तक और दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर होगी। पहले चरण के नामांकनों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर और दूसरे चरण की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर को होगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 01 नवंबर है। पूरी चुनावी प्रक्रिया 25 नवंबर को समाप्त हो जाएगी।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

पत्रकार वार्ता में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा और संदीप सिंह भी मौजूद थे।

झारखंड विस चुनाव की हुई घोषणा, आदर्श आचार संहिता लागू

13 और 20 नवंबर को दो चरण में होंगे चुनाव, मतगणना 23 नवंबर को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव प्राथमिकता - के. रवि कुमार

रांची। भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इसी के साथ 15 अक्टूबर 2024 की शाम साढ़े तीन बजे से झारखंड में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड श्री के. रवि कुमार ने बताया है कि चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 18 और दूसरे चरण की 22 अक्टूबर को जारी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी। शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्रथमिकता सूची में है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पहले चरण में 43 विधानसभा क्षेत्रों में तथा दूसरे चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होंगे। पहले चरण के लिए नामांकन 25 अक्टूबर तक और दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर होगी। पहले चरण के नामांकनों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर और दूसरे चरण की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर को होगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 01 नवंबर है। पूरी चुनावी प्रक्रिया 25 नवंबर को समाप्त हो जाएगी।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

पत्रकार वार्ता में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा और संदीप सिंह मौजूद थे।

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा होते हुए रांची में विधान सभा चुनाव विधि-व्यवस्था ड्यूटी हेतु एक आवश्यक मीटिंग रखा गया, जिसमें रांची के सभी थाना प्रभारी, पुलिस उपाधीक्षक, वरीय पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, यातायात पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे ।

निष्पक्ष चुनाव हेतु स्वस्थ और शांतिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत सभी विधान सभा क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी

रांची। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2024 की घोषणा दिनांक-15.10. 2024 को कर दी गई है तथा घोषणा की तिथि से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इस अवधि में विभिन्न राजनितिक दलों तथा प्रत्याशियों के द्वारा चुनाव प्रचार हेतु जन-सभा / जुलूस का आयोजन किया जाएगा। जन सभा एवं जुलूस में राजनितिक प्रतिद्वंदिता एवं प्रतिस्पर्धा के कारण शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन कर मतदाताओं को प्रभावित / आंतकित किये जाने तथा विधि-व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। इसके अतिरिक्त मतदाताओं को डराने, धमकाने जातीय, साम्प्रदायिक तथा धार्मिक विद्वेष की भावना फैलाने के लिए आवंछित / असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसके कारण लोक शांति भंग हो सकती है। जिसको लेकर अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, रांची, उत्कर्ष कुमार द्वारा निष्पक्ष चुनाव हेतु स्वस्थ और शांतिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत सभी विधान सभा क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी करते हुए निम्नांकित आदेश जारी किया:- (1) किसी भी व्यक्ति / राजनितिक दल / संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी के द्वारा राजनितिक प्रयोजन से संबंधित किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना या किसी भी प्रकार का प्रदर्शन बिना सक्षम पदाधिकारी के पुर्वानुमति के आयोजित नहीं किया जाएगा। जुलूस में किसी भी व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार का धारदार हथियार (अस्त्र एवं शस्त्र) जो मानव शरीर के लिए घातक हो. को लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

(2) The Jharkhand Control of the Use and Play of Loudspeakers Act, 1955 के अन्तर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक वर्जित रहेगा।

(3) किसी सार्वजनिक / सरकारी सम्पत्ति पर नारा लिखना, पोस्टर / पैम्पलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झण्डा लगाना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होर्डिंग लगाना एवं तोरण द्वार लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। उक्त प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों पर Prevention of Defacement of Property Act-1987 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् कार्रवाई की जायेगी। (4) किसी भी व्यक्तिगत सम्पत्ति पर बिना सम्पत्ति मालिक की लिखित अनुमति के नारा लिखना, पोस्टर, पैम्पलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झण्डा लगाना तथा होर्डिंग लगाना प्रतिबंधित किया जाता है।

(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्ति किसी भी स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे।

(6) कोई भी व्यक्ति/राजनितिक दल/संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी ऐसे किसी प्रकार का पोस्टर, पर्चा, आलेख, फोटो का प्रयोग नहीं करेगा जो किसी व्यक्ति/समुदाय/ धर्म/जाति की भावनाओं को आहत करता हो, तथा इससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो।

(7) कोई भी व्यक्ति अथवा राजनितिक दल या संगठन, उम्मीदवार / अभ्यर्थी किसी व्यक्ति विशेष के विरूद्ध ऐसे किसी आपत्तिजनक टिप्पणी, विधि-विरूद्ध संदेश का प्रयोग व्हाटसएप/ फेसबुक/ ट्विटर / इंस्टाग्राम अथवा सोशल मिडिया पर या किसी भी तंत्र पर नहीं करेंगे, जिससे किसी की व्यक्तिगत / मानसिक / धार्मिक/ जातीय भावनाएं आहत होती हो तथा जिससे चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो। उक्त का उल्लंघन करने की स्थिति में संबंधितों पर सुसंगत प्रावधानों के तहत् कार्रवाई की जायेगी।

(8) कोई भी व्यक्ति/राजनितिक दल/संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनितिक प्रचार के लिए नहीं करेंगे एवं साम्प्रदायिक भावना को भड़काने का कार्य नहीं करेंगे।

(9) कोई भी व्यक्ति / राजनितिक दल / संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी मतदाताओं को डराने, धमकाने का कार्य नहीं करेंगे और न ही किसी भी मतदाता को प्रलोभन में लाने का प्रयास करेंगे।

(10) सरकारी स्वामित्व वाले गेस्ट हाउस, भवन का कोई भी हिस्सा किसी भी राजनितिक गतिविधियों / सभा/बैठक के लिए उपयोग नहीं किया जायेगा।

(11) किसी राजनितिक दल अथवा अभ्यर्थी अथवा अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा ऐसा कोई कार्य नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न जातियों धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच घृणा की भावना उत्पन्न हो।

(12) प्रदूषण फैलाने वाले प्रचार सामग्रियों यथा-प्लास्टिक / पॉलीथीन से बने पोस्टर, बैनर का इस्तेमाल राजनितिक प्रचार-प्रसार के लिए नहीं किया जायेगा।

(13) कोई भी व्यक्ति / राजनितिक दल / संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का लाईसेंन्सड हथियार लेकर नहीं चलेगा एवं आग्नेयास्त्र, तीर-धनुष, लाठी, भाला एवं मानव शरीर के लिए अन्य घातक हथियार का प्रदर्शन नहीं करेगा। उल्लेखनीय है कि यह आदेशः-परम्परागत रूप से शस्त्र धारण करने वाले समुदाय (नेपालियों द्वारा खुखरी धारण करने तथा सिखों द्वारा कृपाण धारण करने), विधि-व्यवस्था एवं निर्वाचन कर्तव्य पर लगे दण्डाधिकारियों / निर्वाचन कर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों पर यह लागू नहीं रहेगा। यह आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2024 के अवसर पर निर्गत किये जाने वाले आदेश के आलोक में निर्दिष्ट स्थान पर शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा शस्त्र निरीक्षण कराने एवं शस्त्र जमा करने हेतु शस्त्र ले जाने वाले अनुज्ञप्तिधारियों पर शिथिल रहेगा।

(14) किसी भी व्यक्ति / राजनितिक दल / संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश के विपरीत कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा।

(15) यह आदेश पूर्वानुमति प्राप्त सभा/जुलूस / शादी/ बारात पार्टी /शव-यात्रा/हाट-बाजार/ अस्पताल जा रहे मरीज के साथ-साथ जा रहे व्यक्तियों एवं विद्यालय तथा महाविद्यालय जाने वाले छात्र/छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी / पुलिस बल पर लागू नहीं रहेगा।

चुकी संबंधित सभी व्यक्तियों को तत्काल रूप में नोटिस तामिला कराना संभव नहीं है, इसलिए यह आदेश एक पक्षीय (Ex-parte) पारित किया जाता है।

दिनांक-15.10.2024 के अपराह्न 03:30 बजे से दिनांक-23.11.2024 के रात्रि 11.00 बजे तक लागू रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।*

08629 रांची गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन को मुरी स्टेशन में हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुरीः मुरी स्टेशन के एक नम्बर प्लेटफार्म से मंगलवार को दोपहर 11:50 बजे नयी ट्रेन 08629 रांची गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन को रेलवे अधिकारी डीएमओ डॉ जे कच्छप, स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार आरपीएफ ओसी संजीव कुमार, सीसीआई सुखदेव रक्षित, पंचायत समिति अरविंद कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन के मुरी आते ही भारत माता की जय, नरेंद्र मोदी ज़िंदाबाद, संजय सेठ ज़िंदाबाद के नारे गूंज उठा स्टेशन परिसर। ट्रेन को देखने के लिए स्टेशन परिसर में काफी भीड़ जमी रही। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर झारखंड में रांची से गोरखपुर जाने के लिए नयी ट्रेन का सौगात मिला। संजय सेठ ने ओनलाइन हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रांची से रवाना किया।इस मौके पर स्काउट गाइड के बच्चे समेत रेलवे कर्मचारी मौजूद थे।

प्रथम चरण की तिथि पर पुनर्विचार करे चुनाव आयोग : कैलाश यादव

रांचीः प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा झारखंड में दो चरण में चुनाव कराने का स्वागत किया है लेकिन तिथि पर आपत्ति व्यक्त किया है !

श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने राज्य में प्रथम चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को घोषित किया है लेकिन राजद की ओर से चुनाव आयोग को सुझाव है कि इस बीच हिन्दू धर्म का कई बड़ा त्यौहार है। जिसमें 31अक्टूबर को दीपावली दो नवंबर को भैयादूज एवं आस्था का महान पर्व छठ 6 एवं 7 नवंबर को होना है इसलिए चुनाव आयोग प्रथम चरण का चुनाव की तिथि 15 नवंबर के बाद घोषित करने पर पुनर्विचार करने पर निर्णय लेने चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग राज्य में समय से पूर्व चुनाव कराने का फैसला लिया, लेकिन कहीं न कहीं स्पष्ट संकेत है कि झारखंड में दो चरण में तिथि निर्धारण में निश्चित रूप से बीजेपी के इशारे पर घोषणा की गई है इसलिए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कुछ सवाल भी खड़े होते हैं।

'एयरटेल सिक्योर डिजिटल इंटरनेट' सेवा लॉन्च

रांचीः भारती एयरटेल की बी2बी शाखा, एयरटेल बिज़नेस ने 'एयरटेल सिक्योर डिजिटल इंटरनेट' सेवा लॉन्च करने के लिए ग्लोबल साइबर सुरक्षा कंपनी स्केलर के साथ साझेदारी की है। यह सेवा भारत की पहली, पूरी तरह से प्रबंधित जीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर (जेड टी ए) आधारित साइबर सुरक्षा समाधान है, जिसे कंपनियों को अलग-अलग साइबर खतरों से बचाने के लिए बनाया गया है।

'एयरटेल सिक्योर डिजिटल इंटरनेट' कंपनियों की साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाता है। यह एयरटेल की इंटरनेट लीज़ लाइन (आई एल एल) कनेक्टिविटी को स्केलर की क्लाउड सिक्यूरिटी और सिक्यूरिटी सर्विस एस एस ई तकनीक के साथ जोड़ता है। इसमें एस एस एल निरीक्षण, क्लाउड फ़ायरवॉल, और क्लाउड ऐप्स जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं तक शामिल हैं। 'सदैव यूजर, डिवाइस और नेटवर्क की पुष्टि करण के पश्चात् ही भरोसा करें' के सिद्धांत पर आधारित यह सेवा भारतीय कंपनियों को एक आसान और किफायती समाधान देकर डिजिटल दुनिया की चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी।

रोटी, बेटी और माटी बचाने का चुनावः बाबूलाल मरांडी

रांचीः चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। इसका भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्वागत किया है।

श्री मरांडी ने कहा कि बीते 5 सालों में बेरोजगारी, घुसपैठ, अपराध, भ्रष्टाचार, कुशासन, तुष्टिकरण, दलित-आदिवासी-पिछड़े समाज का उत्पीड़न और झामुमो कांग्रेस राजद के जंगलराज से त्रस्त झारखंड की जनता-जनार्दन अब परिवर्तन चाहती है। यह चुनाव झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की अस्मिता को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव आदिवासी समाज के अस्तित्व को घुसपैठियों से बचाने का चुनाव है। यह चुनाव युवा साथियों को नौकरी, रोजगार और न्याय दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड के गरीब, किसान, महिलाओं को उनका हक़ दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है! मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस विधानसभा चुनाव में झारखंड के मतदाता आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर लोक कल्याणकारी सरकार बनाएंगे। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड की अत्याचारी- महाभ्रष्ट झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार के विदाई की अंतिम गिनती शुरू हो चुकी है। दो चरणों में चुनाव का यह निर्णय स्वागत योग्य है।

वी ने इंडिया मोबाइल कॉन्ग्रेस में किया इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और कनेक्टिविटी का प्रदर्शन

रांचीः इंडिया मोबाइल कॉन्ग्रेस (आईएमसी) 2024 के पहले दिन, जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने इस बात पर रोशनी डाली कि किस तरह से यह आधुनिक टेक्नोलॉजी जैसे 5जी और आईओटी का उपयोग कर उद्योगों को नया आयाम दे रहा है और उनके रोज़मर्रा के अनुभव को बेहतर बना रहा है। इस साल आईएमसी की थीम है 'द फ्यूचर इज़ नाओ' जो वी द्वारा तुरंत आधुनिक तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। वे समाधान जो आज के दौर की चुनौतियों को दूर कर तुरंत सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करते हैं। शो के लिए वी की थीम 'फ्यूचर इज़ लाईव' दर्शाती है कि किस तरह से यह कारोबारों एवं लोगों के जीवन और उनके काम में बदलाव ला रहा है, उन्हें आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ कनेक्ट कर रहा है। कंपनी 2022 में लॉन्च किए गए वी बिज़नेस के 'रैडी फॉर नेक्स्ट' प्रोग्राम का प्रदर्शन कर रही है, जो फ्री डिजिटल अडवाइज़री सेवाएं प्रदान कर इस अंतर को दूर करता है। यह प्रोग्राम अपनी शुरूआत के बाद से 16 सेक्टरों में 1.6 लाख एमएसएमई के साथ साझेदारी कर चुका है। यह 'रैडी फॉर नेक्स्ट' के एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी (वॉल्युम 2.0 2024) से डिजिटल मच्योरिटी इंडैक्स का प्रदर्शन कर रहा है जो एमएसएमई को उनके कारोबार की डिजिटल तत्परता को समझने में मदद करता है और उन्हें सेक्टोरल रूझान प्रदान करता है।

रामगढ़ से पूर्व विधायक ममता देवी को विधानसभा चुनाव से पहले मिली बड़ी राहत, लड़ सकती हैं चुनाव

दो आपराधिक मुकदमों में जिला अदालतों से सजा मिलने की वजह से वर्ष 2022 में झारखंड विधानसभा की सदस्यता गंवाने वाली कांग्रेस की पूर्व विधायक ममता देवी को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जिला अदालतों के फैसलों को चुनौती देते हुए दायर की गई क्रिमिनल अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की बेंच ने दोनों मामलों में उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत उनके चुनाव लड़ने पर लगी रोक तात्कालिक तौर पर निष्प्रभावी हो गई है।

पांच साल की हुई थी सजा राज्य की रामगढ़ सीट से कांग्रेस की विधायक रहीं ममता देवी को रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र में वर्ष 2016 में हुए बहुचर्चित गोली कांड में हजारीबाग स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2022 के दिसंबर महीने में पांच साल की सजा सुनाई थी।

दरअसल, गोला थाना क्षेत्र स्थित इनलैंड पावर लिमिटेड कंपनी में मजदूरों के शोषण का आरोप लगाते हुए ममता देवी की अगुवाई में प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शन अचानक हिंसक हो उठा था और इस दौरान पुलिस ने लाठी चार्ज और फायरिंग की थी। इसमें दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 24 लोग घायल हो गए थे। इसी मामले में अदालत ने ममता देवी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई थी।

सदस्यता हुई थी रद्द इस घटना से जुड़े मामले में उनके खिलाफ रजरप्पा थाने में एक अन्य केस दर्ज हुआ था, जिसमें उन्हें रामगढ़ जिला कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी। हजारीबाग की एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद रामगढ़ की तत्कालीन कांग्रेस विधायक ममता देवी को जेल जाना पड़ा था और उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

विधानसभा चुनाव 2024:सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में जारी की निषेधाज्ञा

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी।इसी क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना ने भी संपूर्ण अनुमंडल क्षेत्र में दिनांक 15 अक्टूबर 2024 से मतगणना समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू कर दिया है जिसके तहत पूरे सदर अनुमण्डल क्षेत्र में किसी प्रकार के घातक हथियार,आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने एवं ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।यह निषेधाज्ञा सरकारी पदाधिकारी / कर्मचारी/ पुलिस कृपाल धारण करने पर लागू नहीं होगा।सरकारी अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय संस्थाओं जैसे महाविद्यालय उच्च विद्यालय, प्राथमिक,मध्य एवं बुनियादी विद्यालयों एवं किसी भी आम भूमि पर किसी प्रकार का आम सभा का आयोजन करने तथा पूरे अनुमण्डल क्षेत्र में जुलूस निकालने पर मनाही होगी।इसके उपयोग के लिए सदर अनुमंडल कार्यालय की अनुमति आवश्यक होगी।यह निषेधाज्ञा शव यात्रा,शादी विवाह / मांगलिक कार्य पर लागू नहीं होगा।कोई भी दल अभ्यर्थी या उनके सहयोगी द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल प्रातः 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक समय सीमा के अन्दर अनुमंडल कार्यलय की पूर्वानुमति प्राप्त कर ही किया जा सकेगा।उक्त समय सीमा के बाहर ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उपर्युक्त शर्त्त मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारा या धार्मिक स्थलों पर लागू नहीं होगी।मंदिर मस्जिद गिरजाघर, गुरुद्वारा या अन्य पूजा स्थल पर से निर्वाचन के प्रचार को प्रतिबंधित रखा गया है।किसी सार्वजनिक / सरकारी सम्पति या किसी व्यक्तिगत सम्पति पर नारा लिखना,पोस्टर पम्पलेट साटना,झंडा टांगना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होर्डिंग लगाना,तोरण द्वार लगाने पर प्रतिबंध रहेगा।किसी भी उम्मीदवार को ऐसा कोई कार्य नहीं करना है जिससे किसी धर्म,सम्प्रदाय या जाति के लोगों की भावना को ठेस पहुँचे या उनमें विद्वेष या तनाव पैदा हो।मत प्राप्त करने के लिए धार्मिक, साम्प्रदायिक या जातीय भावनाओं का सहारा लेने पर भी मनाही होगी। पूजा के किसी स्थान जैसे कि मंदिर, मस्जिद,गिरजाघर, गुरुद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन प्रचार के लिए नहीं किया जा सकेगा।किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन के ऐसे पहलुओं की आलोचना नहीं किया जाना है जिनका संबंध उसके सार्वजनिक जीवन या क्रियाकलापों पर और न ही ऐसे आरोप लगाये जाना है जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो।किसी अभ्यर्थी की आलोचना उसके पूर्व कार्य तक ही सीमित रहनी है तथा असत्यापित आरोंपों पर आधारित नहीं हुई हो।प्रत्येक व्यक्ति के शान्तिपूर्ण घरेलु जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाना है,चाहे उसके विचार कैसे भी क्यों न हो।किसी व्यक्ति के कार्यों या विचारों का विरोध करने के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा ऐसे व्यक्ति के घर के सामने धरना देगें,नारेबाजी करने या प्रदर्शन करने की कार्रवाई का कतई समर्थन नहीं किया जाएगाउम्मीदवार को ऐसे सभी कार्यों से परहेज करना है जो चुनाव कानून के अन्तर्गत अपराध हो।ऐसा कोई पोस्टर, इश्तेहार,पम्पलेट पर परिपत्र निकालना जिसमें मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता न हो, धारा 127A लोक प्रतिनिधित्व अधिनियन का उल्लघंन माना जाएगा।किसी उम्मीदवार के निर्वाचन की संभावना पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के उद्देश्य से उसके व्यक्तिगत आचरण और चरित्र या उम्मीदवार के संबंध में ऐसे कथन या समाचार का प्रकाशन कराना जो मिथ्या हो या जिसके सत्य होने का विश्वास न हो,की मनाही रहेगी। किसी चुनाव सभा में गड़बड़ी करना या विघ्न डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन माना जाएगा। मतदान के दिन तथा मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व सार्वजनिक सभा करना वर्जित किया जाता है। मतदाताओं को रिश्वत या किसी प्रकार का पारितोषिक देना आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन की श्रेणी में आएगा।मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अन्दर किसी प्रकार का चुनाव प्रचार करना या मत संयाचना करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने तथा ले जाने के लिए वाहनों का उपयोग करना वर्जित किया जाता है।मतदान केन्द्र में या उसके आसपास विश्रृंखलर आचरण करना या मतदान केन्द्र के अधिकारियों के कार्य बाधा डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।मतदान का प्रतिरूपेण करना अर्थात गलत नाम से मतदान का प्रयास करना दण्डनीय है।मतदान के दो दिन पूर्व से लेकर मतदान के दिन तक किसी उम्मीदवार द्वारा न तो शराब एवं अन्य नशीली पेय पदार्थ खरीदी जाए और न ही उसे किसी को पेश या वितरित किया जाएगा। प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को ऐसे करने से रोकना होगा।किसी भी उम्मीदवार द्वारा किसी भी व्यक्ति की भूमि,भवन अहाते एवं दिवार का उपयोग झण्डा टांगने,पोस्टर चिपकाने,नारे लिखने आदि प्रचार कार्यों के लिए उसकी लिखित अनुमति के बगैर नहीं किया जाएगा और अपने समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को भी ऐसा करने से रोकना होगा।किसी भी उम्मीदवार द्वारा उसके पक्ष में लगाये गये झण्डे या पोस्टर दूसरे उम्मीदवार के कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं हटाया जाएगा।किसी हाट,बाजार या भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थल पर चुनाव सभा के आयोजन के लिए सक्षम पदाधिकारी से पूर्वानुमति ली जायेगी तथा स्थानीय पुलिस थाने को ऐसी सभा के आयोजन के पूर्व सूचना दी जायेगी,ताकि शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने तथा यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस आवश्यक प्रबंध कर सकें।प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा आयोजित सभा या जुलूस में किसी प्रकार की गड़बड़ी करने या बाधा डालने से अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थको को रोकना होगा।यदि दो भिन्न दलों एवं उम्मीदवार द्वारा आस-पास स्थित स्थानों पर सभाये की जा रही है तो ध्वनि विस्तारक का मुँह विपरीत दिशा में रखने होगें।किसी उम्मीदवार के समर्थन से आयोजित जुलूस ऐसे क्षेत्र या मार्ग से नहीं निकाला जायेगा,जिसमें कोई प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हो।जुलूस के निकलने के स्थान,समय और मार्ग तथा समापन के मामले में स्थानीय पुलिस थाने में कम से कम एक दिन पहले सूचना दी जायेगी।इस बात का ध्यान रखा जायेगा की जुलूस के दौरान यातायात में कोई बाधा ना हो। जुलूस में लोगों को ऐसी चीजे लेकर चलने से रोका जायेगा जिसको लेकर प्रतिबंध हो या जिनका उत्तेजना के समय में दुरूपयोग किया जा सकता है।प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार के पुतले लेकर चलने या उन्हें किसी सार्वजनिक स्थान में जलाये जाने तथा किसी प्रकार के अन्य प्रदर्शन का आयोजन करने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना होगा।

जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 20 नवंबर को

बोकारो। भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार 34 गोमिया,35 बेरमो,36 बोकारो एवं 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रपत्रों की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 01 नवंबर, मतदान की तिथि 20 नवंबर एवं मतगणना की तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने कहीं। वह मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में विभिन्न प्रिंट एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही थी। मौके पर सभी आरओ व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

14,87,103 कुल मतदाताओं की संख्या सभी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 14,87,103 है। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 76,50,24 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 72,20,46 है। वहीं, ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 33 है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त 2024 से अब तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 15,904 नये मतदाताओं को जोड़ा गया है। लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांग मतदाता 18,731 एवं 85 प्लस मतदाताओं की संख्या 4,700 है।

विधानसभा क्षेत्र में कुल 828 भवनों में 1581 मतदान केंद्र जिला अंतर्गत सभी 04 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 828 भवनों में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1581 है। जिसमें 34 गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 206 भवनों में 341 मतदान केंद्र, 35 बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 213 भवनों में 355 मतदान केंद्र, 36 बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 204 भवनों में 588 मतदान केंद्र, 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 205 भवनों में 297 मतदान केंद्र बनाएं गए हैं।

वहीं, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विभिन्न कोषांगों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी विस्तार से दी। आगे, उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन बाजार समिति आइटीआइ मोड़ चास को वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र बनाया गया है।

अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू करते हुए 24X7 कंट्रोल रूम कम्पोजिट कंट्रोल रूम में प्रारंभ है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ईवीएम के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल किया जाएगा।

रात्रि 10 बजे से सुबह 06 बजे तक लाउडस्पीकर बैन। मतदान के 48 घंटा पहले लाउडस्पीकर, चुनावी सभा, प्रसार-प्रचार पर रोक रहेगा। सभी उम्मीदवारों को हलफनामा (Affidavit) देना होगा। प्रत्याशियों को अपराधिक रिर्पोट (Criminal Antecedents) भी देना होगा।

विधानसभा चुनाव से संबंधित शिकायत/ जानकारी प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नं.- डायल 1950 सेवा शुरू की गई है। जो सुबह 9.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक कार्यरत रहेगी।

निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्घंन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल (C-VIGIL) एप बनाया गया है। जिसके द्वारा प्राप्त शिकायत को 100 मिनट के अंदर समाधान किया जाएगा।

निर्वाचन कार्य के सफल संचालन को लेकर कुल 204 सेक्टर पदाधिकारी बनाया गया है। साथ ही सभी नोडल पदाधिकारी का नोडल इनकोर आइडी (ENCORE ID) बना लिया गया है जो निर्वाचन अवधि के दौराना निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्वस्थित करने एवं अनुमति देने या नहीं देने के संबंध में समूचित निर्णय लेने में मदद करेगा।

इस अवसर पर *उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निर्वाची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

डीईओ सह डीसी ने आर्मस बैंड का किया लोकार्पण

विधानसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर समाहरणालय सभागार में मंगलवार शाम डीईओ सह डीसी श्रीमती विजया जाधव ने आर्मस बैंड का लोकार्पण किया। बैंड में मतदान करने से संबंधित संदेश लिखा था। डीईओ सह डीसी ने कहा कि जिले का मतदान प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, इस दाग को इस बार जिलावासियों को मिटाना है, उन्होंने जिले के मतदाताओं से मतदान प्रतिशत बढ़ाने का अपील किया, सभी को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने एवं दूसरों को भी मतदान करने का अपील करने को कहा।

डीईओ सह डीसी ने इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न एप (वोटर हेल्पलाइन, सी विजिल, डायल 1950, सक्षम एप, केवाईसी आदि) के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने उपस्थित सभी को मतदान करने के संदेश वाले आर्मस बैंड बांधने का अपील किया।

मौके पर उप विकास आयुक्तों गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निर्वाची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे, विभिन्न प्रिंट एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

विधानसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर स्वीप कोषांग द्वारा बोकारो मॉल परिसर में रॉक बैंड शो का आयोजन

विधानसभा आमचुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर स्वीप कोषांग द्वारा मंगलवार शाम बोकारो मॉल परिसर में रॉक बैंड शो का आयोजन किया गया। रंगा-रंग संगीतमय कार्यक्रम के माध्यम से आगामी 20 नवंबर 2024 को मतदान करने का संदेश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, पीडब्ल्यूडी कोषांग की सहयोगी पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता,स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, कोषांग के पदाधिकारी/ कर्मी एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मौके पर अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने कहा कि लोकतंत्र का दूसरा महापर्व का आगाज हो गया है, इस महापर्व में प्राप्त संवैधानिक अधिकार मताधिकार का इस्तेमाल हम सबों को करना है। उन्होंने पहले मतदान, फिर दूसरा कोई काम का नारा लगाया...। बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले का मतदान प्रतिशत संतोषजक नहीं था। इससे जिले की छवि धूमिल हुई है, जिस जिले गांव/शहर का मतदान प्रतिशत बेहतर होता है। माना जाता है कि वहां के लोग जिम्मेवार एवं सजग है। हमें देश/राज्य का जिम्मेवार नागरिक होने का परिचय देना हैं। स्वयं मतदान करना हैं एवं दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करना है।

मौके पर अपर समाहर्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी चास ने भी अपने संबोधन में मतदान करने का आमजनों से अपील किया। कहा कि अगर किसी का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो वह अभी भी अपना नाम फार्म छह में आवेदन देकर जुड़वा सकते हैं। निर्वाचन से संबंधित किसी भी सूचना/सहायता के लिए आमजन 1950 डायल करें। टीम आपकी सहायता के लिए तत्पर है।

मौके पर निर्वाची पदाधिकारी चंदनकियारी सह डीसीएलआर चास ने स्वीप (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम) के संबंध में बताया। उन्होंने इसके पीछे भारत निर्वाचन आयोग की मंशा, मतदान प्रतिशत बढ़ाने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का योजन किया गया। जिसमें निर्वाचन से संबंधित अलग – अलग प्रश्न आमजन/युवा/महिलाओं से पूछा गया। उपस्थित दर्शकों ने उक्त प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी सही जवाब देने वालों को मौके पर ही पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

वहीं, लोगों को मतदान करने के लिए मतदाता प्रतिज्ञा दिलाया गया।उप विकास आयुक्त ने कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सभी ने इसका दोहराव किया।

इससे पूर्व, नव नियुक्त चौकीदारों ने सेक्टर टू सी से बोकारो मॉल तक मतदाता जागरूकता रैली निकाला। रैली में शामिल युवाओं ने चुनाव आयोग का है आव्हान,सबको करना है मतदान..., आओ सब मिलकर गाएँ हम देने वोट जरूरी जाएँ, देश के मतदाता है वोट देना आता है, उम्र अठारह पूरी है मत देना बहुत जरूरी है, प्रजातंत्र से नाता है भारत के मतदाता हैं,आओ मिलकर अलख जगाएँ शत-प्रतिशत मतदान कराएँ आदि नारों के माध्यम से मतदाताओं को प्रेरित किया।

रांची के इस बाजार पर लोगों का विश्वास, तिब्बती शरणार्थियों का ये मार्केट है खास

झारखंड न्यूजलाइन। झारखंड की राजधानी रांची के सर्कुलर रोड में पोताला तिब्बतीयन स्वेटर मार्केट का उद्घाटन आज पदम श्री मुकुंद नायक, एस एंड आर कंपनी के प्रोपराइटर जनाब सलीम साहब ने फीता काट कर किया, इस अवसर पर विश्व शांति और परम पावन दलाई लामा के लंबे जीवन के कामना हेतु पूजा अर्चना एवं सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किया गया, निर्वासित तिब्बती पिछले 54 सालों से रांची में मार्केट लगाते आ रहे हैं, राजधानी रांची के सर्कुलर रोड में लगने वाले इस पोताला बाजार का नाम सुनते ही रांची के लोग इस बाजार का रूख करते हैं. सर्दियों में शिद्दत के साथ रांची के लोग इस बाजार का इंतजार करते हैं. क्योंकि इस बाजार में लोगों को अच्छे सामान कम कीमत पर मिल जाती है. इसके अलावा भी इस मार्केट की कई और खासियत है.दरअसल पोताला बाजार तिब्बत से आए शरणार्थियों के द्वारा लगाया जाता है. यहां पर सामान बेचने वाले सभी दुकानदार वैसे हैं जो तिब्बत के मूल निवासी हैं. ये भारत में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं.

विधानसभा चुनाव 2024:सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में जारी की निषेधाज्ञा

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी।इसी क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना ने भी संपूर्ण अनुमंडल क्षेत्र में दिनांक 15 अक्टूबर 2024 से मतगणना समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू कर दिया है जिसके तहत पूरे सदर अनुमण्डल क्षेत्र में किसी प्रकार के घातक हथियार,आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने एवं ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।यह निषेधाज्ञा सरकारी पदाधिकारी / कर्मचारी/ पुलिस कृपाल धारण करने पर लागू नहीं होगा।सरकारी अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय संस्थाओं जैसे महाविद्यालय उच्च विद्यालय, प्राथमिक,मध्य एवं बुनियादी विद्यालयों एवं किसी भी आम भूमि पर किसी प्रकार का आम सभा का आयोजन करने तथा पूरे अनुमण्डल क्षेत्र में जुलूस निकालने पर मनाही होगी।इसके उपयोग के लिए सदर अनुमंडल कार्यालय की अनुमति आवश्यक होगी।यह निषेधाज्ञा शव यात्रा,शादी विवाह / मांगलिक कार्य पर लागू नहीं होगा।कोई भी दल अभ्यर्थी या उनके सहयोगी द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल प्रातः 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक समय सीमा के अन्दर अनुमंडल कार्यलय की पूर्वानुमति प्राप्त कर ही किया जा सकेगा।उक्त समय सीमा के बाहर ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उपर्युक्त शर्त्त मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारा या धार्मिक स्थलों पर लागू नहीं होगी।मंदिर मस्जिद गिरजाघर, गुरुद्वारा या अन्य पूजा स्थल पर से निर्वाचन के प्रचार को प्रतिबंधित रखा गया है।किसी सार्वजनिक / सरकारी सम्पति या किसी व्यक्तिगत सम्पति पर नारा लिखना,पोस्टर पम्पलेट साटना,झंडा टांगना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होर्डिंग लगाना,तोरण द्वार लगाने पर प्रतिबंध रहेगा।किसी भी उम्मीदवार को ऐसा कोई कार्य नहीं करना है जिससे किसी धर्म,सम्प्रदाय या जाति के लोगों की भावना को ठेस पहुँचे या उनमें विद्वेष या तनाव पैदा हो।मत प्राप्त करने के लिए धार्मिक, साम्प्रदायिक या जातीय भावनाओं का सहारा लेने पर भी मनाही होगी। पूजा के किसी स्थान जैसे कि मंदिर, मस्जिद,गिरजाघर, गुरुद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन प्रचार के लिए नहीं किया जा सकेगा।किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन के ऐसे पहलुओं की आलोचना नहीं किया जाना है जिनका संबंध उसके सार्वजनिक जीवन या क्रियाकलापों पर और न ही ऐसे आरोप लगाये जाना है जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो।किसी अभ्यर्थी की आलोचना उसके पूर्व कार्य तक ही सीमित रहनी है तथा असत्यापित आरोंपों पर आधारित नहीं हुई हो।प्रत्येक व्यक्ति के शान्तिपूर्ण घरेलु जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाना है,चाहे उसके विचार कैसे भी क्यों न हो।किसी व्यक्ति के कार्यों या विचारों का विरोध करने के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा ऐसे व्यक्ति के घर के सामने धरना देगें,नारेबाजी करने या प्रदर्शन करने की कार्रवाई का कतई समर्थन नहीं किया जाएगाउम्मीदवार को ऐसे सभी कार्यों से परहेज करना है जो चुनाव कानून के अन्तर्गत अपराध हो।ऐसा कोई पोस्टर, इश्तेहार,पम्पलेट पर परिपत्र निकालना जिसमें मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता न हो, धारा 127A लोक प्रतिनिधित्व अधिनियन का उल्लघंन माना जाएगा।किसी उम्मीदवार के निर्वाचन की संभावना पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के उद्देश्य से उसके व्यक्तिगत आचरण और चरित्र या उम्मीदवार के संबंध में ऐसे कथन या समाचार का प्रकाशन कराना जो मिथ्या हो या जिसके सत्य होने का विश्वास न हो,की मनाही रहेगी। किसी चुनाव सभा में गड़बड़ी करना या विघ्न डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन माना जाएगा। मतदान के दिन तथा मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व सार्वजनिक सभा करना वर्जित किया जाता है। मतदाताओं को रिश्वत या किसी प्रकार का पारितोषिक देना आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन की श्रेणी में आएगा।मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अन्दर किसी प्रकार का चुनाव प्रचार करना या मत संयाचना करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने तथा ले जाने के लिए वाहनों का उपयोग करना वर्जित किया जाता है।मतदान केन्द्र में या उसके आसपास विश्रृंखलर आचरण करना या मतदान केन्द्र के अधिकारियों के कार्य बाधा डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।मतदान का प्रतिरूपेण करना अर्थात गलत नाम से मतदान का प्रयास करना दण्डनीय है।मतदान के दो दिन पूर्व से लेकर मतदान के दिन तक किसी उम्मीदवार द्वारा न तो शराब एवं अन्य नशीली पेय पदार्थ खरीदी जाए और न ही उसे किसी को पेश या वितरित किया जाएगा। प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को ऐसे करने से रोकना होगा।किसी भी उम्मीदवार द्वारा किसी भी व्यक्ति की भूमि,भवन अहाते एवं दिवार का उपयोग झण्डा टांगने,पोस्टर चिपकाने,नारे लिखने आदि प्रचार कार्यों के लिए उसकी लिखित अनुमति के बगैर नहीं किया जाएगा और अपने समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को भी ऐसा करने से रोकना होगा।किसी भी उम्मीदवार द्वारा उसके पक्ष में लगाये गये झण्डे या पोस्टर दूसरे उम्मीदवार के कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं हटाया जाएगा।किसी हाट,बाजार या भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थल पर चुनाव सभा के आयोजन के लिए सक्षम पदाधिकारी से पूर्वानुमति ली जायेगी तथा स्थानीय पुलिस थाने को ऐसी सभा के आयोजन के पूर्व सूचना दी जायेगी,ताकि शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने तथा यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस आवश्यक प्रबंध कर सकें।प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा आयोजित सभा या जुलूस में किसी प्रकार की गड़बड़ी करने या बाधा डालने से अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थको को रोकना होगा।यदि दो भिन्न दलों एवं उम्मीदवार द्वारा आस-पास स्थित स्थानों पर सभाये की जा रही है तो ध्वनि विस्तारक का मुँह विपरीत दिशा में रखने होगें।किसी उम्मीदवार के समर्थन से आयोजित जुलूस ऐसे क्षेत्र या मार्ग से नहीं निकाला जायेगा,जिसमें कोई प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हो।जुलूस के निकलने के स्थान,समय और मार्ग तथा समापन के मामले में स्थानीय पुलिस थाने में कम से कम एक दिन पहले सूचना दी जायेगी।इस बात का ध्यान रखा जायेगा की जुलूस के दौरान यातायात में कोई बाधा ना हो। जुलूस में लोगों को ऐसी चीजे लेकर चलने से रोका जायेगा जिसको लेकर प्रतिबंध हो या जिनका उत्तेजना के समय में दुरूपयोग किया जा सकता है।प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार के पुतले लेकर चलने या उन्हें किसी सार्वजनिक स्थान में जलाये जाने तथा किसी प्रकार के अन्य प्रदर्शन का आयोजन करने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना होगा।

तपस फाउंडेशन ने आरटीसी हाई स्कूल बूटी में किया वृक्षारोपण कार्यक्रम

ओरमांझी : तपस फाउंडेशन के तत्वाधान में आज आरटीसी हाई स्कूल, रांची में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 50 पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंधीर कुमार चौधरी, निधेशक डॉ रूद्रनारायण महतो, विकास कुमार,शैलेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, डॉ. शांति कुमारी, सुनील सिंह, विपुल सिंह भी विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थे।

वृक्षारोपण के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों और स्कूल के छात्रों ने पौधों के रखरखाव और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था, बल्कि पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करना भी था।

तपस फाउंडेशन लगातार विभिन्न शहरों में पर्यावरणीय जागरूकता के लिए कार्य कर रहा है ।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक पूरे धनबाद अनुमंडल में की निषेधाज्ञा जारी

धनबाद। अनुमंडल दंडाधिकारी राजेश कुमार ने विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा के पश्चात पूरे धनबाद अनुमंडल में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है।

इस संबंध में उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा झारखण्ड विधानसभा आम चुनाव-2024 के लिए तिथियों की घोषणा करते हुए आदर्श आचार संहिता को प्रभावकारी करने की उद्घोषणा कर दी गयी है।

उक्त घोषणा के फलस्वरूप विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच आपसी प्रतिद्वन्दता एवं विद्वेष की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन लोगों के द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर भीड़ एकत्रित कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के साथ अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन कर विरोधियों के बीच भय उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त आपराधिक एवं अवांछनीय तत्वों द्वारा भी इन अवसरों का लाभ उठाकर अपनी गतिविधियों से गंभीर विधि-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न की जा सकती है। जिसका कुप्रभाव आम जन जीवन पर पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

इसलिए तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक पूरे धनबाद अनुमंडल में भा.ना.सु.सं. 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है।

निषेधाज्ञा के दौरान पाँच व्यक्तियों या उससे अधिक के समूह में चलना, किसी प्रकार के हरवे हथियार जैसे लाठी, डंडा, भाला, गड़ासा, तलवार, तीर-धनुष आदि लेकर निकलना या चलना प्रतिबंधित रहेगा।

साथ ही बिना अनुमति के किसी प्रकार का बैठक करना, धरना, प्रदर्शन, सभा आयोजित करना, लाउड स्पीकर का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

इसके अलावा किसी प्रकार का आग्नेयास्त्र, अस्त्र-शस्त्र, विस्फोटक पदार्थ लेकर चलना या निकलना प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने कहा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित आदर्श आचार संहिता के सारे नियम विधि-व्यवस्था एवं निर्भय तथा साफ-सुथरा चुनावी प्रक्रिया के लिए दिये जाते हैं। इसके बाद आचार संहिता में जो भी नियम पारित होने वाले है या होंगे वे भी नियम इसमें सम्मिलित होंगे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए आदर्श आधार संहिता के जारी सारे वर्णित बिन्दु भा.ना.सु.सं. 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत शामिल रहेंगे।

वहीं नेपालियों द्वारा खुखरी धारण, सिक्खों द्वारा कृपाण धारण, शादी विवाह से संबधित जुलूस में सम्मिलित व्यक्तियों, शव यात्रा में जाने वाले जुलूस, हाट बाजार, अस्पताल जा रहे मरीज के साथ-साथ जा रहे व्यक्तियों, विद्यालय एवं महाविद्यालय जाने वाले छात्र/छात्राओं एवं कर्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी, पुलिस बल, विधि-व्यवस्था एवं निर्वाचन कार्य में लगे पदाधिकारी, कर्मचारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल इस निषेधाज्ञा की परिधि से बाहर रहेंगे।

प्रमुख पिंकी देवी ने बलियापुर के बीडीओ एवं सीओ का किया स्वागत

धनबाद (झारखंड),15 अक्टूबर 2024ःबलियापुरः प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी के अगुवाई में बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास व सीओ प्रवीण कुमार सिंह दोनों पदाधिकारियों का स्वागत किया गया आपको बता दे की नए दोनों पदाधिकारी प्रखंड व अंचल कार्यालय में योगदान दिए जाने के बाद मंगलवार को प्रखंड सभागार में समारोह आयोजित किया गया था। इस दौरान बीडीओ व सीओ ने क्षेत्र में बेहतर विकास कार्य करने की बातें कही। मौके पर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष गणेश महतो, मुखिया उत्तम चौबे, दिलीप कुमार महतो, विजय गोराई, संजय गोराई, संजीत गोराई, सुनील महतो, पंसस हीरालाल मोदक, श्रीजली देवी, सारथी मंडल, सकोती मुर्मू, भोलानाथ महतो, तपन रजक, शकुंतला कुमारी, शैलेन मंडल, जीतू मंडल के अलावे बीपीओ विशाल कुमार, बीपीओ पूजा वर्मा, सीआई नेहा सिंह सहित प्रखंड व अंचल के सभी कर्मी मौजूद थे।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन तैयार : उपायुक्त

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के बाद पत्रकार वार्ता कर मीडिया से कहा कि धनबाद में 22 अक्टूबर 2024 को विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर 2024 रहेगी। 30 अक्टूबर 2024 को नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी की जाएगी। वहीं 1 नवंबर 2024 को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में धनबाद में 20 नवंबर 2024 को मतदान किया जाएगा। 23 नवंबर 2024 को मतगणना की जाएगी तथा 25 नवंबर 2024 को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी की है। उन्होंने शहरी एवं युवा वोटरों को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव में धनबाद में 62.28% मतदान हुआ। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत 2.53% बढ़कर 64.81% रहा। विधानसभा चुनाव में भी स्वीप एक्टिविटी के तहत मतदाताओं को जागरुक कर मतदान प्रतिशत को और बढ़ाने का जिला प्रशासन का उद्देश्य रहेगा।

उन्होंने कहा कि 38 सिंदरी, 39 निरसा, 40 धनबाद, 41 झरिया, 42 टुंडी एवं 43 बाघमारा विधानसभा को लेकर 1318 भवनों में 2372 मतदान केंद्र में मतदाता मतदान करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा 38 सिंदरी, 39 निरसा, 40 धनबाद, 41 झरिया, 42 टुंडी एवं 43 बाघमारा को लेकर कुल 20 लाख 75 हजार 869 मतदाता है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 72 हजार 596, महिला मतदाताओं की संख्या 10 लाख 3 हजार 221 एवं 52 ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि धनबाद में 27944 पीडब्ल्यूडी, 85 वर्ष से अधिक उम्र

के 5443 वोटर है। 18 - 19 वर्ष के वोटरों की संख्या 76656 है। 18 - 19 वर्ष के वोटरों में मेल वोटर की संख्या 33347, फीमेल वोटर की संख्या 43308 तथा एक ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार इसका अक्षरशः पालन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए 63 स्टेटिक सर्विलांस टीम, 18 विडीयो सर्विलांस टीम, 12 विडीयो व्यूइंग टीम, 63 फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, 22 अकाउंटिंग टीम तथा 12 असिस्टेंट एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 11 इंटर स्टेट तथा 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट पर लगातार आने जाने वालों की जांच की जाएगी।

पत्रकार वार्ता में मौजूद वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप जी जनार्दनन ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सिंदरी एवं टुंडी विधानसभा में विशेष निगरानी रखी जाएगी। वहीं 41 मतदान केंद्र नक्सल एरिया में है। जबकि वल्नरेबल बूथ की संख्या 37 एवं क्रिटिकल बूथ की संख्या 632 है। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर जिले को 260 सेक्टर में बांटा गया है। जहां मतदान संपन्न होने तक सुरक्षाकर्मी भ्रमण करते रहेंगे। मतदान के दिन 19 जोन में क्विक रिस्पांस टीम मौजूद रहेगी।

उन्होंने कहा कि जिले में शांति एवं विधि व्यवस्था कायम करने के लिए एक 9731 से अधिक वैसे असामाजिक तत्वों को चिन्हित किया है जो विगत 1 साल में विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। वहीं पिछले 10 साल में विविध कांड में संलिप्त अभियुक्तों की भी लिस्ट बनाई गई है। उनके ऊपर पुलिस की सतत नजर रहेगी और प्रीवेंटिव कार्रवाई भी की जाएगी।

एसएसपी ने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सीएमपीएफ की 5 कंपनी एलॉट की गई है। जिसमें 2 कंपनी धनबाद में आ गई है और अभी से जिले के हर कोने में भ्रमणशील रहेगी। साथ ही उन्होंने लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने निकटतम थाना में हथियार जमा करने का निर्देश दिया। एसएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं भड़काऊ मैसेज डालने वालों के लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल भी प्रभावी है। ऐसा करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के निमित्त गठित मीडिया कोषांग को लेकर नगर आयुक्त ने की बैठक

धनबाद। नगर आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी, मीडिया कोषांग रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के निमित्त गठित मीडिया कोषांग की बैठक समाहरणालय में कई गई।

इस दौरान चुनाव में मीडिया कोषांग व एमसीएमसी (मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी) की जिम्मेदारी पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री सुनिल कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि एमसीएमसी के अधिकार व कार्यों की पूरी जानकारी रहे। उन्होंने सभी कार्यालय कर्मियों को पूरी तत्परतापूर्वक अपने कर्तव्यों के निर्वहन करने का निदेश दिया है।

मौके पर नगर आयुक्त रविराज शर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, सहायक नगर आयुक्त शिखा कुमारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर विनीता कुमारी समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

एसडीओ ने की धनबाद विस के सभी एईआरओ के साथ बैठक

धनबाद। अनुमंडल पदाधिकारी सह 40 धनबाद विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी श्री राजेश कुमार ने पुराने समाहरणालय में विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बैठक की।

इस अवसर पर उन्होंने 40 धनबाद विधानसभा के सभी सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, सभी सेक्टर ऑफिसर, सेक्टर पुलिस पदाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी के साथ विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के निमित्त नगर आयुक्त ने स्वीप कार्यक्रम को लेकर की बैठक

धनबाद। आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में स्वीप एक्टिविटी को लेकर समाहरणालय में बैठक की गई।

वरीय पदाधिकारी ने स्वीप कर्मियों से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में शहरी क्षेत्रों में वोट प्रतिशत कैसे बढ़ाए इस पर चर्चा की गई एवं इसका विस्तार से प्रारूप बनाया गया। साथ ही कार्य योजना भी तैयार की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गठित स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने कहा कि स्वीप योजना के तहत जिले में कारगर कार्य होना चाहिए।

स्वीप कोषांग का मुख्य लक्ष्य मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान के प्रतिशत में वृद्धि करना। स्वीप योजना के तहत कैलेंडर तैयार किया गया है उसके अनुसार कार्यक्रमों को आयोजित करना सुनिश्चित करें।

मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन, सहायक नगर आयुक्त शिखा कुमारी, एसएमपीओ विनीता कुमारी, समेत सीडीपीओ एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे।

सनातन संस्कृति, साहित्य और शरद पूर्णिमा

सनातन संस्कृति में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इस रात्रि में चंद्रमा अपनी 16 कलाओं- अमृत, मनदा (विचार), पुष्प (सौंदर्य), पुष्टि (स्वास्थ्यता),तुष्टि (इच्छापूर्ति), ध्रुति (विद्या), शाशनी(तेज), चंद्रिका(शांति), कांति (कीर्ति), ज्योत्स्ना (प्रकाश), श्री (धन), प्रीति (प्रेम), अंगदा (स्थायित्व), पूर्ण (पूर्णिता अर्थात कर्मशीलता) और पूर्णामृत (सुख) से परिपूर्ण होता है।मानव को अपने जीवन में इन कलाओं के महत्व और दर्शन को समझते हुए स्थान देने की आवश्यकता है ।शरद पूर्णिमा का संबंध कहीं न कहीं भगवान श्री कृष्ण से भी रहा है जो जीवन में भक्ति,संगीत और नृत्य के महत्व को प्रतिपादित करते हैं।शरद पूर्णिमा का संबंध शरद ऋतु के आरंभ से भी है। यह ऋतु कृषि और फसलों के लिए महत्वपूर्ण है, और अच्छी फसलें किसानों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। अतः भारतीय सनातन संस्कृति किसान और कृषि को महत्व देन पर भी बल देती है। आध्यात्मिक दृष्टि से शरद पूर्णिमा मानसिक शांति और स्वस्थ शरीर के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक विज्ञान में भी इन दोनों ही का दीर्घायु प्राप्त करने में विशेष योगदान स्थापित है। सनातन विज्ञान में ऐसी मान्यता रही है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणें विशेष गुण से युक्त होती हैं इसलिए जब खीर (चावल और दूध युक्त) को खुले आसमान के नीचे चांद की रोशनी में रखा जाता है, तो इन किरणों के प्रभाव से खीर के पोष्टिक गुणों में वृद्धि होती है और इसका सेवन अच्छे स्वास्थ्य के साथ पित्त से जुड़ी समस्याओं से निदान दिलाने में सहायक हो सकता है। अतः आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों को शरद पूर्णिमा में चांद की रोशनी में रखी गई खीर पर शोध करना चाहिए। भारत के कई सनातनी ग्रंथ भी शरद पूर्णिमा के महत्व को विभिन्न संदर्भों में स्थापित करते हैं, जैसे -(1) भागवत पुराणःइस पुराण में शरद पूर्णिमा का वर्णन भगवान श्रीकृष्ण के महारास के संदर्भ में मिलता है। इसके अनुसार इस रात्रि को चंद्रमा अपनी संपूर्णता में होता है, और इसे प्रेम, भक्ति और आत्मीयता का प्रतीक माना जाता है।यह तीनों गुण मानव जीवन में आनंद और उर्जा प्राप्ति का सहज मार्ग है।(2) स्कंद पुराणः इसके अनुसार इस दिन चंद्रमा विशेष रूप से प्रभावशाली होता है और उसकी किरणें अमृतमयी होती हैं। यह दिन ध्यान,आरोग्य और दीर्घायु की प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ है।(3) रामचरितमानसःइस ग्रंथ में शरद पूर्णिमा का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख मिलता है। इसमें शरद ऋतु का वर्णन सौंदर्य, शीतलता, और शांति के प्रतीक के रूप में किया गया है, जो शरद पूर्णिमा की विशेषता है।इस ग्रंथ में ऋतुओं के बदलाव और प्राकृतिक सौंदर्य के संबंध में दिया गया वर्णन इस समय के महत्व को दर्शाता है।(4) महाभारतःइस ग्रंथ में ऋतुओं और चंद्रमा के महत्व का उल्लेख मिलता है। हालांकि शरद पूर्णिमा का सीधा संदर्भ कम है, लेकिन इस समय के वातावरण, चंद्रमा की शक्ति और उसकी किरणों का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव महाभारत के कुछ हिस्सों में वर्णित है।(5) अध्यात्म रामायण : इसमें चंद्रमा और शरद ऋतु का सुंदर वर्णन मिलता है।यह समय आध्यात्मिक जागरूकता और ध्यान साधना के लिए उत्तम माना गया है।(6)वेद और उपनिषदः इनमें शरद ऋतु के साथ चंद्रमा की महिमा का वर्णन मिलता है। चंद्रमा को मानसिक शांति, सौंदर्य और अमृत का प्रतीक माना गया है, जो शरद पूर्णिमा के धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा है। यजुर्वेद में चंद्रमा के स्वास्थ्यवर्धक गुणों का उल्लेख मिलता है, जो शरद पूर्णिमा पर खीर में चंद्रमा की किरणों को ग्रहण करने की परंपरा से जुड़ा है।(7) सुश्रुत संहिताः इसमें छह ऋतुओं का वर्णन दिया गया है, जिसमें शरद ऋतु को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है। शरद ऋतु के दौरान शरीर में पित्त दोष बढ़ जाता है, इसलिए इस समय ठंडे और शीतल पदार्थों का सेवन करना फायदेमंद है। चंद्रमा की ठंडी किरणें शरीर को शीतलता प्रदान करती हैं और पित्त दोष को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। चंद्रमा की किरणें मन को भी शांत करती हैं और शरीर को आराम प्रदान करती हैं, जो शरद पूर्णिमा के समय चंद्रमा की पूजा और उसके प्रकाश में खीर रखने की परंपरा के पीछे वैज्ञानिक आधार हो सकती है।(8) चरक संहिता :यह ग्रंथ शरद ऋतु के दौरान स्वास्थ्य की देखभाल पर विशेष ध्यान देने पर जोर देता है। इस समय पित्त का प्रभाव अधिक होता है, इसलिए इस ग्रंथ में शरीर को ठंडा और संतुलित रखने वाले आहार लेने की सलाह दी गई है। अतः इस ग्रंथ के अनुसार इस समय चंद्रमा की शीतल किरणें शरीर के ताप को कम करने और मन को शांति प्रदान करने में सहायक होती हैं। चरक संहिता में दूध और चावल का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी बताया गया है, विशेष रूप से पित्त को नियंत्रित करने के लिए। शरद पूर्णिमा के दौरान खीर (जो दूध और चावल से बनती है) को

चंद्रमा की रोशनी में रखने का वैज्ञानिक आधार इस आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से भी जुड़ा हो सकता है। अतःमेरी दृष्टि में भारतीय सनातन संस्कार, संस्कृति और साहित्य मे शरद पूर्णिमा मानव जीवन में शांति, शीतलता,स्वास्थ्य, साधना, संगीत के महत्व को प्रतिपादित करती है तथा ऋतु परिवर्तन के वैज्ञानिक प्रभाव से सचेत रहने की सलाह देती है।

लेखकःडा.मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए समाजसेवी दिपेश चौहान

धनबाद बिनोद बिहारी चौक स्थित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन झारखंड प्रदेश के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने किया जहा क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए साथ ही कार्यक्रम में सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान शामिल हुए और एसजेएएस ब्लड बैंक का जायज़ा लिया उन्होंने बताया कि यह ब्लड पूरे जिले में सबसे आधुनिक, आकर्षक एवं भव्य हैं जो हर तरफ से रक्त दाताओं एवं उनके मरीजों के लिए लाभदायक साबित होगी यहा ब्लड के साथ प्लेटलेट्स और प्लाजमा जैसे अलग अलग कॉम्पोनेंट्स बनाने की भी सुविधा उपलब्ध हैं हमारे जिले में ऐसे बहुत कम ही ब्लड बैंक हैं जहां प्लेटलेट्स, प्लाजमा की सुविधा उपलब्ध हो और अभी देखा जा रहा है कि डेंगू की बीमारी धनबाद में बहुत फैल चुकी हैं हमारी संस्था के पास लगभग हर दिन एक या दो केस डेंगू से पीड़ित मरीज के लिए आ रही हैं जिसमें उन्हें प्लेटलेट्स की आवश्यकता पड़ती हैं ऐसे में एसजेएएस ब्लड बैंक जरूरतमंद मरीजो के लिए वरदान साबित होगी ।

एसजेएएस ब्लड बैंक के डायरेक्टर आशुतोष झा एवं सुदीप पांडे ने समाज सेवी दिपेश चौहान को पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया संस्था के सामाजिक कार्यों में भरपूर समर्थन देने का बात कही हैं उन्होंने कहा कि जब भी किसी जरूरतमंद को रक्त की आवश्यकता हो उसके लिए हमारी सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं ।

सीपीआई(एमएल)के कार्यकर्ता सम्मेलन झरिया विधानसभा में संपन्न

धनबाद (झारखंड), 15 अक्टूबर 2024 : झरियाः भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनबादी) लिबरेशन की ओर से झरिया अंचल में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी उपस्थित थे, उनके उपस्थिति में दूसरे दल से काफी संख्या में लोग माले का दामन थामा I मौके परः-- आनंद महिपाल,बिंदा पासवान, रुस्तम अंसारी, राजेंद्र पासवान, निताई महतो आदि साथी मौजूद थे I

सिंदरी विधानसभा के अंतर्गत परासी पंचायत में माले (MCC) के के एक बैठक

सिंदरी विधानसभा के अंतर्गत परासी पंचायत में माले (MCC) के के एक बैठक हुआ जिसमें सभी ग्रामवासी ने पुनह माले (MCC) को वोट देने का आश्वासन दिया ग्राम वासियों ने कहा कि हर बार कामरेड आनंद बाबू दो-तीन हजार वोटो से पीछे रह जाते हैं इसलिए इस बार हम सभी ग्रामवासी किसी भी तरह से भूल नहीं करके चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो को अपना बहुमूल्य वोट देने का आश्वासन दिया जिसमें निरसा के पूर्व विधायक श्री अरूप चटर्जी, विक्की खान, पप्पू भाई, सोहराब अंसारी, अब्दुल जब्बार अंसारी, शरीफ उद्दीन अंसारी, जसमत अंसारी, चितरंजन पाल, मनीष बावड़ी, हकीमुद्दीन अंसारी आदि सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

रूस में एमपी की छात्रा की मौत के बाद चाचा का भी निधन, 48 घंटे में परिवार में दूसरी जान गई

रूस में एक दुर्घटना में मारी गई 22 वर्षीय मेडिकल छात्रा के चाचा का भी एक दिन बाद निधन हो गया। शव को लाने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। नौ दिन पहले मामूली दुर्घटना के बाद मामा की तबियत बिगड़ गई और वे अस्पताल में भर्ती हो गए थे।

मैहरः मध्य प्रदेश के मैहर की रहने वाली एक 22 साल की मेडिकल छात्रा की रूस में एक हादसे में मौत हो गई। इस घटना के एक दिन बाद शनिवार को उसके चाचा की भी मौत हो गई। छात्रा का पार्थिव शरीर रूस से वापस लाने की कोशिश की जा रही है। 13 अक्टूबर को छुट्टी होने के कारण यह प्रक्रिया सोमवार से शुरू होने की संभावना है।

यह घटना बेहद दुखद है, क्योंकि परिवार को 48 घंटों में ही दो मौतों का सामना करना पड़ा है। परिजनों का कहना है कि श्रृष्टि के चाचा लक्ष्मीकांत शर्मा को करीब नौ दिन पहले एक छोटा सा हादसा हुआ था। शनिवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे परिवार को हिला कर रख दिया है। **माता पिता की इकलौती थी श्रृष्टि** मृतका श्रृष्टि शर्मा रूस के ऊफ़ा में स्थित बशख़िर स्टेट यूनिवर्सिटी में चौथे वर्ष की मेडिकल की छात्रा थी। श्रृष्टि अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। परिवार के एक रिश्तेदार आशीष रावत ने बताया कि हमें इस घटना की जानकारी शुक्रवार को शहर की ही एक और लड़की के पिता के जरिए मिली, जो उसी यूनिवर्सिटी में पढ़ती है। वह श्रृष्टि से जूनियर थी। **एक बाद एक परिवार में दो घटनाएं** उन्होंने बताया कि यह मेरे चचेरे भाई की बेटी थी। परिवार में एक के बाद एक दो घटनाएं घटी हैं। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। हमें बताया गया है कि रविवार होने के कारण समिति सोमवार को ही बैठक कर इस पर फैसला लेगी।

महाराष्ट्र में बीजेपी 158 पर लड़ेगी विधानसभा चुनाव, जानें एकनाथ शिंदे और अजित पवार को कितनी सीटें मिलेंगी

: महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ महायुति में सीट शेयरिंग पर मुहर लग गई है। बीजेपी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बड़े भाई की भूमिका में ही रहेगी। पार्टी 158 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीट शेयरिंग फॉर्मूले का ऐलान महायुति में शामिल तीनों दलों के नेता एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में करेंगे।

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की बिगुल बजने के साथ ही सत्तारूढ़ महायुति ने सीट समझौते पर मुहर लगा ली है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी सत्तारूढ़ गठबंधन में न सिर्फ बड़े भाई की भूमिका में रहेगी बल्कि 158 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी अपने इन सीटों में कुछ सीटें अपने छोटे सहयोगियों को दे सकती है। इनमें नवनीत राणा के पति रवि राणा, राष्ट्रीय समाज पक्ष (RSP) नेता महादेव जानकर शामिल हैं। महायुति में सीट शेयरिंग का जो फॉर्मूला तैयार हुआ है उनके अनुसार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 70 सीटें मिलने की संभावना है।

महायुति में किसे कितनी सीटें? महायुति सीट शेयरिंग तय का फॉर्मूला तय होने के बाद सीटों का बंटवार भी अंतिम चरण में हैं। इसमें यह तय किया गया है कि कौन किस सीट पर लड़ेगा? जानकारी के मुताबिक 90 फीसदी सीट बंटवारा तय हो चुका है। बीजेपी 158 सीटों पर लड़ेगी। शिवसेना शिंदे गुट को 70 सीटें मिलने की उम्मीद है। एनसीपी अजित पवार गुट को 50 सीटें दी जाएंगी। लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ी थी।

तब 260 सीटों पर लड़ी थी बीजेपी 2014 में बीजेपी ने 260 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2024 में एक बार फिर पार्टी लगभग उसी स्थिति में रहेगी, हालांकि 2019 में चुनावों में बीजेपी 152 सीटं पर लड़ी थी। तब बीजेपी ने अविभाजित शिवसेना के लिए 124 सीटें छोड़ी थी। इतना ही एनडीए के अन्य सहयोगियों के लिए 12 सीटें रखी थीं। बीजेपी ने 2014 में 122 और 2019 में 105 सीटों पर जीत हासिल की थी। बीजेपी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

छुट्टी लेके अउरी कुछ दिन रही ए बलम जी... ऑन ड्यूटी सिपाही को पिया की आई याद, ऑनलाइन हुआ 'कांड'!

बिहार के हाजीपुर में डायल 112 की एक महिला सिपाही ने वर्दी में कई रोमांटिक गानों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किए हैं। ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पुलिस मुख्यालय ने वर्दी में रील्स बनाने पर पाबंदी लगाई है, बावजूद इसके ऐसी घटनाएं हो रही हैं। महिला सिपाही का नाम अंतिमा कुमारी है।

वैशालीः बिहार में एक बार फिर पुलिस वर्दी में रील्स बनाने का मामला सामने आया है। वैशाली में डायल 112 में तैनात एक महिला सिपाही ने वर्दी में कई रोमांटिक गाने पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पहले भी पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्दी में रील्स बनाने पर सख्त मनाही की गई थी। बावजूद इसके पुलिसकर्मी वर्दी में रील्स बनाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

जंदाहा थाना क्षेत्र में डायल 112 पुलिस गाड़ी पर है तैनात मामला वैशाली के हाजीपुर का है। यहां डायल 112 में तैनात एक महिला सिपाही का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला सिपाही वर्दी में कई रोमांटिक गानों पर रील्स बनाती हुई दिखाई दे रही है। महिला सिपाही ने इन रील्स को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया है। बताया जा रहा है कि महिला सिपाही का नाम अंतिमा कुमारी है और वह जंदाहा थाना क्षेत्र में डायल 112 पुलिस गाड़ी पर तैनात हैं। एनबीटी इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

महिला सिपाही द्वारा वर्दी में रील्स बनाए जाने से वैशाली पुलिस की किरकिरी हो रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले ही बिहार पुलिस मुख्यालय ने एक निर्देश जारी किया था। इस निर्देश में सभी पुलिसकर्मियों को वर्दी में या हथियार के साथ रील ना बनाने की हिदायत दी गई थी। पुलिस मुख्यालय ने निर्देश का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। पुलिस मुख्यालय का कहना था कि वर्दी में रील बनाना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि इससे पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता और एकाग्रता भी प्रभावित होती है। इस आदेश के बावजूद महिला सिपाही द्वारा वर्दी में रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने से वैशाली पुलिस की किरकिरी हो रही है। महिला सिपाही ने जिन गानों पर रील बनाई है, उनके बोल हैं- घरे छुट्टी लेके अउरी कुछ दिन रही ए बलम जी....। इसके अलावा अरमा था हमको जिसका ... वो गूल खिला नहीं, आज कल रात भर नींद आती नहीं.. एक पल के लिए याद जाती नहीं।

व्यक्ति की मौत और पोखर में डूबकर एक बच्ची की मौत शामिल है

सीतामढ़ीः बिहार के सीतामढ़ी जिले में पिछले 24 घंटे में हत्या/मौत के चार मामले सामने आए हैं। एक मामले में भतीजा ने चाचा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी, तो दूसरी घटना एक युवक का शव मिलना है। परिजन हत्या कर शव को फेंक देने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं, तो तीसरी घटना में मारपीट के एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इधर, पोखर में डूबने से एक बच्ची की जान चली गई। **परिहार में चाकू से चाचा की हत्या** जिले के परिहार थाना क्षेत्र में बराही गांव में एक युवक ने अपने चाचा की हत्या कर दी। मामूली सी कहासुनी होने पर युवक ने चाकू से गोदकर अपने अधेड़ चाचा को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों के अनुसार, मृतक रामप्रीत साह (55) ग्रामीण क्षेत्रों में बक्सा रिपेयर का काम करता था। रविवार की संध्या उसके अपने भतीजे विपिन कुमार से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान दोनों में पहले तो गाली-गलौज और देखते ही देखते हाथापाई हो गई। ग्रामीण के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। विवाद को लेकर अगले दिन सुबह में पंचायत होनी थी। बताया गया है कि रामप्रीत साह बेखौफ होकर घर से गांव की तरफ निकला कि पूर्व से घात लगा कर बैठे भतीजे विपिन ने चाकू से उस पर प्रहार कर दिया। इस घटना में रामप्रीत गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। सूचना पर परिजन और ग्रामीण जख्मी साह को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां से बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बद्दसे परिजन के साथ विपिन फरार है।

कुदरत का करिश्मा! महिला ने एक-दो नहीं... चार बच्चों को दिया जन्म, हर तरफ चर्चा

सीतामढ़ी के एक हॉस्पिटल में एक महिला ने चार शिशु को जन्म दिया। अल्ट्रासाउंड में केवल तीन शिशु दिखे थे, लेकिन डॉक्टरों की टीम ने सफलता से चारों को जन्म दिलाया। सभी शिशु स्वस्थ हैं। बताया जा रहा है कि सीतामढ़ी में इस तरह का पहला मामला सामने आया है।

सीतामढ़ीः कुदरत की भी कोई-कोई लीला अजीब सी होती है। कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जिस पर साधारण इंसान को तनिक भी भरोसा नहीं होता है। बाद में तब यकीन होता है, जब लोगों को पता चलता है कि धरती पर कुदरत की अविश्वनीय लीलाएं होती रहती है। कुछ इसी तरह का मामला सीतामढ़ी में सामने आया है। इसे कुदरत का कमाल कहे या कोई चमत्कार कि एक महिला ने चार शिशु को जन्म दी है। इस वाकया पर एक पल के लिए किसी को यकीन नहीं होगा, पर है शत-प्रतिशत सच। खास बात कि चारों शिशु स्वस्थ हैं।

डॉक्टर्स की टीम की भी तारीफ इस मामले में लोग उन डॉक्टरों की टीम की खूब तारीफ की जा रही है, जिनकी चिकित्सीय देखरेख में महिला का सकुशल प्रसव हुआ। बताया गया कि यह केस डॉक्टरों के लिए एक चैलेंज ही था। वजह था कि अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट में महिला के गर्भ में तीन शिशु होने की बात कही गई थी। डॉक्टरों ने पूरी हिम्मत के साथ इस चैलेंज को स्वीकार किया और सूझबूझ के साथ प्रसव कराया। चार शिशु के जन्म लेने पर डॉक्टरों की टीम भी हैरान रह गई थी, पर कुछ सुगम होने पर टीम भी बड़ी राहत की सांस ली थी।

नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में जन्म

सीतामढ़ी-डुमरा रोड़ के साहु चौक स्थित नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में महिला ने चार शिशु को जन्म दी। चार शिशु के जन्म लेने की बात सुनकर पूर्व से भर्ती अन्य मरीज और उनके परिजन भी बच्चों की एक झलक पाने को आतुर हो गए। पहले तो किसी को यकीन ही नहीं हो रहा था, लेकिन जब लोगों ने अपनी खुली आंखों से शिशुओं को देखा, तो मानना पड़ा की कुदरत की लीला भी अजीब होती है। कई लोगों ने अपनी मोबाइल से चारों शिशुओं की तस्वीर भी ली। फिर देखते ही देखते ये चारों शिशु वायरल हो गए। सोशल मीडिया पर बहुत सारे लोगों ने लिखा कि कुदरत किसी-किसी को देता है, तो छप्पर फाड़ के।

बाजपट्टी प्रखंड की है महिला

हॉस्पिटल संचालक डॉ प्रवीण कुमार ने बताया कि बाजपट्टी थाना क्षेत्र के चंदनवारा गांव के रमेश कुमार की पत्नी रुबी देवी को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उनके अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव के पूर्व अल्ट्रासाउंड जांच में गर्भ में तीन ही शिशु होने की रिपोर्ट मिली थी। हालांकि चार शिशु का जन्म हुआ है, जिसमें तीन पुत्र और एक पुत्री है। बताया कि सभी शिशु स्वस्थ हैं। शिशु विशेषज्ञ चिकित्सक की मौजूदगी में जांच कराई गई है। सभी शिशु स्वस्थ है। इधर, जिले के कई जानकारों का कहना है कि चार शिशु के जन्म का जिले में यह पहला वाकया है।

बिहार चुनाव से पहले बीजेपी का 'मास्टरस्ट्रोक', यूं ही नहीं नीतीश कुमार की पार्टी बिलबिला गई

2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बिहार के एक और टुकड़े करने की डिमांड केंद्र सरकार से की है। डिमांड है कि बिहार के सीमांचल इलाके को अलग कर एक और राज्य बनाया जाए, जिसे केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया जाए। इस डिमांड पर सहयोगी जेडीयू की सख्त आपत्ति आई है।

किशनगंजः *हिंदुत्व की राह पर निकल चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधान सभा चुनाव के पहले अपना मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। इस राह पर भाजपा के फायर ब्रांड नेता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हिन्दू स्वाभिमान यात्रा के जरिए इसकी पहल की तो भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश की मांग कर हिंदुत्व की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है। हालांकि यह मांग कोई नई नहीं है। इसके पहले भी सीमांचल को केंद्र शासित राज्य बनाने की मांग उठती रही है। पर वर्तमान के परिपेक्ष्य में भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने एक बार फिर चर्चा कर बिहार की राजनीति में भूचाल ला दिया है।*

क्या कहा भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने *भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने सीमांचल के इलाके में हिन्दुओं के अल्पसंख्यक हो रहे मुद्दे को उठाते हुए केंद्र सरकार से किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया के साथ बंगाल के कुछ जिलों को शामिल कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर दी है। वजह बताते हुए बचौल ने कहा कि बिहार के चार जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हिंदु अल्पसंख्यक हो गए हैं। सीमावर्ती राज्यों के ऐसे जिलों को जोड़कर केंद्र शासित प्रदेश बनाना चाहिए।*

आए दिन बिहार के चार जिलों किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना जारी है। हालात यह हो गई है कि इन चार जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। यही स्थिति पश्चिम बंगाल और झारखंड की भी हो गई है। केंद्र शासित प्रदेश बनाकर ही घुसपैठ पर नियंत्रण किया जा सकता है। हालात यह है कि बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया, झारखंड के दुमका, पाकुर, साहेबगंज और राजमहल में आदिवासियों की संख्या घट गई है। इस वजह से धार्मिक और सामाजिक असंतुलन बिगड़ गया है और जनसंख्या का संतुलन भी प्रभावित हो रहा है। ध्यान यह रखना होगा कि जहां-जहां हिंदुओं की संख्या कम हुई है, वहां विभाजन की मांग उठने लगी है और वह हिस्सा देश से भी कट जाता है। एक समय आयेगा जब वह भारत से अलग होने की मांग करने लगेंगे।

निशिकांत दुबे ने भी की थी मांग *हालांकि हरिभूषण बचौल से पहले भाजपा के सांसद रहे निशिकांत दुबे ने यह मांग रखी थी। उनकी मांग में बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाना था। इस मुद्दे को लोकसभा में उठाते कहा था कि झारखंड के संथाल परगना रीजन में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण आदिवासियों की आबादी घट रही है। पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद, बिहार के अररिया, किशनगंज और कटिहार और झारखंड के संथाल परगना रीजन के छह जिले- गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुर को शामिल कर केंद्र शासित प्रदेश बनाना ही इस समस्या का निदान है।*

अगर ऐसा नहीं हुआ तो हिन्दू एक दिन अल्पसंख्यक हो जायेंगे। तब फिर यहां से अलगाववादी तत्वों सक्रिय होकर भारत से ही अलग होने की मांग करने लगेंगे। सदन को जानकारी देते निशकांत दुबे ने सदन को इस बात से अवगत कराया कि 2000 में जब बिहार से अलग होकर झारखंड बना था, तब संथाल परगना रीजन में 36% आबादी आदिवासियों की थी, जो अब घटकर 26% हो गई। उन्होंने ये भी दावा किया कि राज्य की 25 विधानसभा सीट ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटरों की संख्या 110% से 125% तक बढ़ गई है।

आखिर क्यों उठ रही है मांग*? दरअसल, हो यह रहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां की महिलाओं से शादी कर लेते हैं। और ये अपनी पत्नी को आगे कर पंचायत से लेकर विधानसभा तक का चुनाव लड़ते हैं। एक आंकड़ा के जरिए निशिकांत दुबे ने यह जानकारी दी कि झारखंड में कम से कम 100 गांव ऐसे हैं, जहां की ग्राम प्रधानों के पति मुस्लिम हैं। यही आरोप भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने भी लगाते हुए कहा कि घुसपैठिए का असर अब सीमांचल से आगे निकल कर दरभंगा, मधुबनी और झंझारपुर के इलाकों में दिखने लगा है। बड़े पैमाने पर ये लोग गरीब हिंदुओं से शादी कर रहे हैं और अपनी पत्नियों को चुनाव में उतार कर स्थानीय लोगों को परास्त कर अपने उद्देश्य को आगे बढ़ा रहे हैं। यह यहां के मूल निवासियों के लिए खतरे की घंटी भी है।*

जदयू ने कहा बचकानी मांग : राजीव रंजन *बिहार में अचानक से उठे हिंदुत्व की लहर को लेकर जदयू का सेकुलर चरित्र आलोचना के दायरे में आ गया। हालांकि जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कुछ राज्यों के कई जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग को बेहद अव्यवहारिक, बचकाना, अज्ञानता पूर्ण के साथ साथ तनाव बढ़ाने वाला बयान कहा। बिहार विधानसभाः कुर्सी के लिए चार्जशीटेड तेजस्वी यादव को साथ लेकर घूम रहे हैं नीतीश कुमारः हरिभूषण ठाकुर बचौल राज्यों के पुनर्गठन और इससे जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की जिस तरह से उन्होंने धज्जियां उड़ाई हैं, ऐसे नासमझी भरे बयान सुर्खियां तो बटोर सकते हैं, लेकिन इन बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। ऐसे बयानों को खारिज करना चाहिए। इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता है।*

बिहारः कहासुनी... गाली गलौज और हाथापाई... फिर जो हुआ उसे जान हो जाएंगे हैरान

बिहार के सीतामढ़ी जिले में पिछले 24 घंटे में चार हत्या/मौत की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें भतीजे द्वारा चाचा की चाकू से हत्या, एक युवक का शव मिलना, मारपीट में एक व्यक्ति की मौत और पोखर में डूबकर एक बच्ची की मौत शामिल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीतामढ़ीः *बिहार के सीतामढ़ी जिले में पिछले 24 घंटे में हत्या/मौत के चार मामले सामने आए हैं। एक मामले में भतीजा ने चाचा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी, तो दूसरी घटना एक युवक का शव मिलना है। परिजन हत्या कर शव को फेंक देने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं, तो तीसरी घटना में मारपीट के एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इधर, पोखर में डूबने से एक बच्ची की जान चली गई।* ***परिहार में चाकू से चाचा की हत्या*** *जिले के परिहार थाना क्षेत्र में बराही गांव में एक युवक ने अपने चाचा की हत्या कर दी। मामूली सी कहासुनी होने पर युवक ने चाकू से गोदकर अपने अधेड़ चाचा को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों के अनुसार, मृतक रामप्रीत साह (55) ग्रामीण क्षेत्रों में बक्सा रिपेयर का काम करता था। रविवार की संध्या उसके अपने भतीजे विपिन कुमार से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान दोनों में पहले तो गाली-गलौज और देखते ही देखते हाथापाई हो गई। ग्रामीण के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। विवाद को लेकर अगले दिन सुबह में पंचायत होनी थी।* ***घात लगाकर चाकू से प्रहार*** *बताया गया है कि रामप्रीत साह बेखौफ होकर घर से गांव की तरफ निकला कि पूर्व से घात लगा कर बैठे भतीजे विपिन ने चाकू से उस पर प्रहार कर दिया। इस घटना में रामप्रीत गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। सूचना पर परिजन और ग्रामीण जख्मी साह को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां से बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बद्दसे परिजन के साथ विपिन फरार है। इधर, जांच के मुजफ्फरपुर से फॉरेंसिक टीम घटना पर पहुंच जांच की। इसकी पुष्टि थानाध्यक्ष राज कुमार गौतम ने की है।* ***पुपरी में युवक का शव मिला*** *इधर, नगर परिषद पुपरी नगर स्थित वार्ड संख्या 5 में ब्रह्म स्थान के निकट रेलवे लाइन के किनारे से एक युवक का शव बरामद किया। शव की पहचान वार्ड 5 के श्रवण पासवान के पुत्र सन्नी पासवान के रूप में हुई है। बताया गया है कि रात से ही सन्नी घर से गायब था। देर रात घर नहीं लौटने पर परिजन द्वारा उसका जगह-जगह खोजबीन किया गया, किंतु कोई सुराग नहीं मिल सका।*

सुबह में लोगों ने उसके शव को देखा। स्थानीय पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी है। मृतक के पिता श्रवण पासवान ने इसे हत्या का मामला बताते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। डीएसपी अतुल दत्ता ने बताया कि घटना को लेकर पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

हिजबुल्लाह को मिल गया आयरन डोम को चकमा देने का तरीका? ड्रोन के आने की नहीं लगी भनक, टेंशन में इजरायल

इजरायल पर हिजबुल्लाह ने रविवार को एक ड्रोन हमला कर सभी को चौंका दिया है। ड्रोन हमले के कारण इजरायल हिल गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस ड्रोन हमले के बारे में किसी भी डिफेंस सिस्टम को भनक तक नहीं लगी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हिजबुल्लाह को इसका तोड़ मिल गया है।

तेल अवीवः इजरायल चारों ओर से दुश्मनों से घिरा है। दुश्मनों के किसी भी हमले से बचने के लिए उसने आयरन डोम डिफेंस सिस्टम लगा रखा है। लेकिन अब इस बात का खतरा बढ़ गया है कि शायद हिजबुल्लाह को आयरन डोम को चकमा देने का तरीका मिल गया है। रविवार को एक ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत के बाद से यह सवाल उठने लगा है। आईडीएफ के प्रमुखों ने सवाल उठाया है कि आखिर उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले का पता क्यों नहीं लगाया। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने ड्रोन के झुंड से IDF के गोलानी ब्रिगेड के एक अड्डे को निशाना बनाया था। लगभग दो सप्ताह पहले इजरायल की ओर से लेबनान पर जमीनी हमला शुरू करने के बाद यह आतंकी ग्रुप की ओर से किया गया सबसे घातक हमला था। इजरायल के पास एक वर्ल्ड क्लास एयर डिफेंस सिस्टम है, जो अब तक उसके ज्यादातर हिस्से को हमले से बचाता रहा है। इजरायली जांचकर्ता यह पता लगाने की किशिश क रहे हैं कि आखिर आयरन डोम ने एक्शन क्यों नहीं लिया। साथ ही हवाई हमले के दौरान सायरन ने अलर्ट क्यों नहीं किया।

आयरन डोम को चकमा दे सकता है ड्रोन? आयरन डोम उन रॉकेटों को रोकता है जो शहरी क्षेत्रों की दिशा में जा रहा होता है। इस डिफेंस सिस्टम से निकली मिसाइल खतरे को हवा में ही तबाह कर देती है। लेकिन अब आशंका जताई जा रही है कि एक साथ कई हमले करने से सिस्टम कनफ्यूज हो जाता है। इस बात की चेतावनी दी जाती रही है कि इस डिफेंस सिस्टम को धीमी गति से उड़ने वाले ड्रोन चकमा दे सकते हैं। इजरायली सेना के टॉप अधिकारियों ने उस बेस का दौरा किया जहां हिजबुल्लाह का हमला हुआ।

दो ड्रोन किए थे लॉन्च इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा है कि सरकार इसका समाधान निकालने पर काम कर रही है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह ने समुद्र से इजरायली हवाई क्षेत्र में दो ड्रोन लॉन्च किए। इजरायल रिसर्च इंस्टीट्यूट अल्मा सेंटर ने कहा कि ड्रोन की मारक क्षमता 120 किमी है। वहीं यह 370 किमी प्रति घंटे की अधिकतम स्पीड से उड़ सकता है। इसमें 40 किग्रा विस्फोटक ले जाने की क्षमता है। कथित तौर पर एक ड्रोन उत्तरी हाइफा बंदरगाह के करीब गिरा दिया गया।

अमेरिका और कनाडा से तनाव, 12 साल बाद पाकिस्तान जा रहे भारतीय विदेश मंत्री, जानें क्यों महत्वपूर्ण हुआ एससीओ

कनाडा और अमेरिका के साथ खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर चल रहे तनाव के बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं। जयशंकर एससीओ के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। करीब 12 साल के बाद भारतीय विदेश मंत्री पाकिस्तान जा रहे हैं। इस पर दुनिया की नजरें हैं।

इस्लामाबादः भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर 15 और 16 अक्टूबर को होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन के शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं। यह किसी भारतीय विदेश मंत्री की 12 साल बाद पाकिस्तान यात्रा होने जा रही है। इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के प्रधानमंत्री पाकिस्तान पहुंच गए हैं। वहीं रूस से भी एक भारी भरकम दल पहुंच रहा है। इस शिखर सम्मेलन में सबसे ज्यादा नजरें भारतीय विदेश मंत्री पर रहेंगी। माना जा रहा है कि जयशंकर इस्लामाबाद में सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान और चीन को जमकर सुना सकते हैं। वहीं यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा और अमेरिका के साथ रिश्ते तनावपूर्ण चल रहे हैं। वहीं चीन और रूस एससीओ को पश्चिमी देशों के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं।

पाकिस्तान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पीएम शहबाज शरीफ इस एसएसओ बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें रूस के पीएम, बेलारूस और कजाखस्तान के पीएम भी हिस्सा ले रहे हैं। ईरान की ओर से उप राष्ट्रपति पहुंच रहे हैं। भारत ने साफ कर दिया है कि जयशंकर की इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय बातचीत की संभावना नहीं है। इस सम्मेलन के लिए पाकिस्तान ने राजधानी इस्लामाबाद को किले में बदल दिया है और 9 हजार से भी ज्यादा सैनिक और पुलिसकर्मी तैनात किया है।

एससीओ का गठन कैसे हुआ ? एससीओ को शंघाई फाइव के नाम से जाना जाता है जिसका गठन 1996 में किया गया था। इसमें पहले चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान सदस्य देश थे। इसका गठन सोवियत संघ के विघटन के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा पर सैनिकों की संख्या में कमी और आतंकवाद से लोहा लेना था। भारत और पाकिस्तान साल 2017 में इसके सदस्य बने थे। इसके अब कुल 10 सदस्य देश हैं। इसमें ईरान और बेलारूस शामिल हैं। एससीओ का मुख्यालय बीजिंग में है। एससीओ अगर देखा जाए तो पश्चिमी देशों के संगठन नाटो के मुकाबले नया है लेकिन यह तेजी से अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। आज एससीओ देशों के अंदर 3 अरब की आबादी निवास करती है। इन देशों की जीडीपी दुनिया की एक चौथाई है। कई विश्लेषकों का कहना है कि एससीओ पश्चिमी देशों के नाटो को काउंटर करने के लिए बनाया गया है। रूस और चीन दोनों ही मिलकर इसे पश्चिमी देशों का विकल्प बनाने में जुटे हुए हैं। अमेरिकी शांति संस्थान के मुताबिक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एससीओ और ब्रिक्स की मदद से दुनिया में अपना दबदबा बढ़ाना चाहते हैं।

भारत दे रहा बढ़ा संदेश अमेरिकी शांति संस्थान के मुताबिक पुतिन एससीओ के जरिए यह दखिाने की कोशिश कर रहे हैं कि पश्चिमी देशों ने उन्हें भले ही युद्धापराधी घोषित कर रखा है लेकिन वह अभी भी दुनिया के अन्य देशों में आसानी से जा सकते हैं। साथ ही विदेशी नेताओं से मिल सकते हैं। वह रूस को अलग थलग करने के लिए पश्चिमी देशों के प्रयासों को फेल कर सकते हैं। वहीं भारत की बात करें तो वह एससीओ के जरिए क्षेत्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बढ़ा लेगा। साथ ही पश्चिमी देशों को भी संदेश दे सकता है कि वे अपनी नीतियों को थोपे नहीं।

डॉ. जयशंकर को क्यों अपनी रैली में बुला रही इमरान खान की पार्टी?

भारत इसके जरिए पाकिस्तान पर भी दबाव बना सकता है ताकि वह आतंकवाद को रोके। भारत चीन के बीआरआई मंसूबों को भी करारा जवाब दे सकता है। भारत एससीओ के जरिए दुनिया को पश्चिमी केंद्रीत या चीन केंद्रीत होने से रोक सकता है। जयशंकर ऐसे समय पर एससीओ सम्मेलन में जा रहे हैं जब अमेरिका और कनाडा के साथ खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया है और कनाडा के उच्चायुक्त को जाने के लिए कह दिया है। कनाडा बार-बार फाइव आइज और जी 7 की धमकी दे रहा है जो अमेरिका के प्रभाव वाले संगठन हैं।

भारत और कनाडा में 'कूटनीतिक युद्ध', लाखों भारतीय छात्रों पर क्या होगा असर? व्यापार भी हो सकता है प्रभावित

कनाडा और भारत के बीच राजनयिक तनाव फिर बढ़ रहा है। संबंध अपने निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। कनाडा ने भारतीय राजनयिकों का हत्या में हाथ होने का आरोप लगाते हुए देश से बाहर कर दिया है। जवाब में भारत ने कनाडा के 6 राजनयिक निकाले। सवाल है कि तनाव बढ़ा तो क्या होगा?

ओटावाः कनाडा और भारत के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने लगा है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत सरकार पर लगाया है। कनाडा ने इस बार उच्चायुक्त सहित छह राजनयिकों को वापस जाने को कह दिया। इसके बाद भारत ने भी कनाडा के छह राजनयिकों को निकाल दिया है। ट्रूडो का कहना है कि कनाडाई नागरिकों की हत्या में भारतीय अधिकारियों का हाथ होने से जुड़ी रिपोर्ट अपने सहयोगियों से साझा की है। सवाल उठता है कि भारत और कनाडा का तनाव बढ़ता है तो क्या होगा? कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। वहीं हर साल हजारों छात्र कनाडा में पढ़ने के लिए जाते हैं। कनाडा और भारत के बीच गहरे व्यापारिक संबंध हैं। सोमवार को भारत के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ट्रूडो ने व्यापारिक और नागरिक संबंध का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारत के साथ खराब रिश्ते नहीं चाहते। ट्रूडों के आरोपों के बाद अगर भारत-कनाडा के बीच तनाव बढ़ता है तो इसका सभी पर असर पड़ सकता है।

भारत-कनाडा का कितना है व्यापार? साल 2022 की बात करें तो भारत कनाडा का 10वां बड़ा व्यापारिक भागीदार था। दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 10.50 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। इसमें से कनाडा को 6.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सामान निर्यात और कनाडा से 4.10 अमेरिकी डॉलर का आयात किया। सर्विस सेक्टर जैसे वित्त, आईटी आदि में द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 8.74 बिलियन यूएस डॉलर था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां और संगठन भारत में हैं।

छात्रों पर क्या हो सकता है असर? कनाडा में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र पढ़ने जाते हैं। भारत के 230,000 छात्र कनाडा में पढ़ रहे हैं। यह विदेशी छात्रों का कनाडा में सबसे बड़ा स्रोत है। दोनों देशों का तनाव इनके लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। कनाडा पढ़ने की इच्छा रखने वाले छात्रों को वीजा मिलने में दिक्कतें आ सकती हैं। संभव है कि कनाडा भारतीय छात्रों के लिए वीजा में सख्ती करे। हालांकि तनाव से पहले ही एक ट्रेंड देखा गया है, जिसके मुताबिक भारतीय छात्रों को कनाडा की ओर से कम वीजा मिल रहा है। साथ ही कनाडा में वीजा नियमों के बदलाव से पहले ही भारतीय और दुनिया भर के छात्रों की ओर से वीजा का आवेदन कम हुआ है।

ईरान पर बड़ा हमला करने की तैयारी में इज़रायल, नेतन्याहू ने बाइडन को दी जानकारी, बच पाएगी खामेनेई की न्यूक्लियर फैसिलिटी?

इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष चल रहा है। ईरान ने इजरायल पर हाल ही में एक बड़ा हमला किया था। इस हमले में 180 मिसाइलें दागे गए थे। इजरायल की ओर से किसी भी समय जवाबी कार्रवाई की उम्मीद है। इजरायल ने कहा है कि वह ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा।

तेल अवीवः ईरान की ओर से 1 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया गया था। इजरायल की ओर से एक जबरदस्त पलटवार की उम्मीद की जा रही है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से बातचीत की। उन्होंने अमेरिका को सूचित किया है कि इजरायल पूरे क्षेत्र में युद्ध नहीं शुरू करना चाहता। इसलिए वह ईरान की तेल या न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला करने की जगह इजरायली सैन्य ठिकानों पर हमला करने को तैयार है। दरअसल अमेरिका कहता रहा है कि ईरान की तेल या न्यूक्लियर फैसिलिटी को इजरायल निशाना न बनाए। क्योंकि यह पूरे खाड़ी में युद्ध भड़का सकता है। ईरान भी तेल फैसिलिटी पर हमले के जवाब में अमेरिकी सहयोगियों पर हमले की धमकी देता रहा है। इजरायल का यह कहना कि वह मिलिट्री फैसिलिटी को टार्गेट करेगा, यह अमेरिका के लिए राहत वाली खबर है। इजरायली अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि उनका पलटवार ईरान की ओर से किए गए हमले से काफी बड़ा होगा। ईरान ने इजरायल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इजरायली सूत्रों ने कहा कि उनका फोकस ईरान के खिलाफ जवाबी हमले की तैयारी है। इसमें किसी भी तरह की हिचकिचाहट या देरी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले के समय और दायरे पर निर्णय लेने के लिए नेतन्याहू अपने रक्षा मंत्री और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिका तैनात कर रहा THAAD रविवार को उन्होंने रक्षा मंत्री योव गैलेंट, आईडीएफ प्रमुख हर्जी हलेवी और वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों के साथ इंटेलिजेंस बेस में मुलाकात की। यह मुलाकात पहले से तय नहीं थी और सोमवार को भी चली। इजरायल की किसी भी कार्रवाई से पहले अमेरिका ने घोषणा की है कि वह अपना THAAD मिसाइल डिफेंस सिस्टम अमेरिकी सैनिकों के साथ क्षेत्र में तैनात कर रहा है। अमेरिकी सैनिक इसे संचालित करेंगे, ताकि ईरान की ओर से किसी भी नए हमले में एक मजबूत सुरक्षा कवच रहे।

संघर्ष विराम चाहता है ईरान इस बात की भी आशंका है कि इजरायल के हमले का ईरान जवाब भी देगा। इसलिए अमेरिका के साथ समन्वय को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि ब्रिटेन में स्थित सऊदी अरब के अखबार अशरक अल-अवसात के मुताबिक ईरान ने संकेत दिया है कि अगर इजरायली हमला सीमित होता है, तो संघर्ष का यह दौर यहीं रुक जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ इजरायली अधिकारी मानते हैं कि ईरान संघर्ष विराम में रुचि रखता है।

दिल्ली में स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में 5000 करोड़ रुपये की 518 किलो कोकीन जब्त की गई

नई दिल्लीः स्पेशल सेल ने गुजरात पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन में 5000 करोड़ की ड्रग्स बरामद कर 5 लोगों को अरेस्ट किया है। ये माल दिल्ली एनसीआर में फार्मा से जुड़ी कंपनी को देते हैं। जिसके बाद वह कंपनी दिल्ली और दूसरी जगह पर उस माल को भेजती थी। स्पेशल सेल ने इसमें गुजरात से जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उसमें मालिक और बिचौलिया शामिल हैं। सेल सूत्रों का दावा है कि ये सभी काफी समय से ड्रग्स सिंडिकेट में शामिल थे।

518 किलो कोकीन जब्त पुलिस अफसर के मुताबिक, इस जॉइंट ऑपरेशन में गुजरात से 5000 करोड़ रुपये की 518 किलो कोकीन जब्त की गई। इससे पहले स्पेशल सेल ने 1 अक्टूबर को महिपालपुर में तुषार गोयल नाम के गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलो हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप को जब्त किया था।

स्पेशल सेल ने सब बताया स्पेशल सेल के मुताबिक, इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकेन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाईलैंड का गांजा बरामद हो चुका है। इन सबकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों के मुताबिक ड्रग्स केस में ED ने 11 अक्टूबर को मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त होने के एक दिन बाद सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ड्रग्स और नार्को ट्रेड के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार युवाओं को ड्रग्स के अभिशाप से बचाकर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

1 अक्टूबर को महिपालपुर में 562 किलो कोकीन और 40 किलोग्राम गांजा 10 अक्टूबर को रमेश नगर से 208 किलो ड्रग्स बरामद 13 अक्टूबर को गुजरात से 518 किलो

जहरखुरानी गैंग... लूट के लिए जान तक से कर रहे खिलवाड़, आप भी हो जाइए सावधान!

दिल्ली के भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जहरखुरानी गैंग लोगों को नशा देकर लूट रहे हैं। इस गैंग के सदस्य ऑटो या टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं। त्योहारी सीजन में बाहरी यात्रियों को अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। पुलिस ने कुछ मामलों में गिरोह को पकड़ा।

नई दिल्लीः इंटर स्टेट बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और भीड़-भाड़ वाले बाजारों में पीड़ित को भरोसे में लेकर किसी चीज में नशा देकर सामान उड़ा कर ले जाने के मामले सामने आते रहते हैं। इस तरह वारदात करने वालों को 'जहरखुरानी गैंग' का नाम दिया गया है। यह गिरोह ज्यादातर ऑटो या टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं। भीड़-भाड़ वाले बाजारों में मददगार बन कर सामने आते हैं, जो बातों ही बातों में किसी चीज में नशा मिलाकर देते हैं। नशे की मात्रा अगर ज्यादा हो गई तो मौत तक की नौबत आ जाती है। कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि पीड़ित कई दिन तक अपनी सुध-बुध खोकर भटकता रहता है। होश में तो रहता है, लेकिन याददाश्त खो देता है। परिजन भी काफी दिन तक इधर-उधर खोजते रहते हैं। जब पीड़ित मिलता है तो कुछ बताने की हालत में नहीं होता है। इससे उबरने में ही कई दिन लग जाते हैं। कुछ केसों में यह भी देखने में आया है कि पीड़ित का अता-पता ही नहीं चलता है। दरअसल, वह अपनी पुरानी दुनिया को लगभग भूल चुका होता है। **दिल्ली की घटना जान लीजिए** दिल्ली के आदर्श नगर में एक अजब वाकिया हुआ। उत्तराखंड के बागेश्वर जिला निवासी 27 साल के बबलू कुमार की आखिरी लोकेशन 15 जुलाई रात 11:52 बजे आजादपुर बस टर्मिनल की मिली। आदर्श नगर पुलिस ने करीब एक महीने बाद जहरखुरानी गैंग को पकड़ा। खुलासा हुआ कि बबलू ऑटो में बैठा, जिसमें गैंग के सदस्य भी थे। रास्ते में किसी चीज में मिलाकर उसे नशा दिया। लूटपाट के बाद इंद्रलोक में छोड़ दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो वह लड़खड़ाता हुआ सड़क पर चलता दिखा। बबलू का आज तक पता नहीं चला है। पलिस भी सिर्फ फोन बरामद कर सकी। वहीं 9 अगस्त की रात बिहार के 22 साल के अमित को कोल्ड ड्रिंक्स में नशा मिलाकर पिलाया गया। कैश, फोन और अन्य सामान लूटा और न्यू उस्मानपुर इलाके में फेंक गए। नशे की मात्रा ज्यादा होने से अमित की मौत हो गई। **'बाहर से आने वाले यात्री टारगेट पर'** पुलिस अफसरों का कहना है कि गिरोह के टारगेट पर अधिकतर बाहर से आने वाले यात्री रहते हैं। यह बातों ही बातों में अपनापन दिखाकर उनकी जानकारी ले लेते हैं। खाने-पीने की चीजें पेश करते हैं, जिनमें नशा मिला होता है। आजकल त्योहारी सीजन चल रहा है। दिल्ली से सामान लेने के लिए बाहर से लोग आते हैं। रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों में भी भीड़ रहती है। ऐसे में दिल्ली आने वाले अपने नाते-रिश्तेदारों को अलर्ट करें, ताकि कोई जहरखुरानी गैंग का शिकार ना हो।

कैसे बचें जहरखरानी गैंग से

1) किसी भी अनजान शख्स पर यात्रा के दौरान बहुत ज्यादा भरोसा ना करें

2) ट्रेन, बस, ऑटो या टैक्सी में अगल-बगल में बैठे लोगों से अलर्ट रहें

3) किसी अनजान को अपनी व्यक्तिगत या आने-जाने की जानकारी ना दें

4) किसी भी अनजान व्यक्ति से फल, बिस्किट, चाय, पानी या प्रसाद ना लें

5) रेलवे और बस स्टेशन के किसी अधिकृत दुकानदार से ही सामान खरीदें

6) बस स्टेशन या रेलवे स्टेशन पर गाड़ी का इंतजार करते समय भी अलर्ट रहें

स्टूडेंट्स के आईकॉन, मशहूर साइंटिस्ट और सफल राष्ट्रपति... यूं हीं कोई एपीजे अब्दुल कलाम नहीं होता

नई दिल्लीः जीवन में सफल होने और नतीजे प्राप्त करने के लिए, आपको तीन शक्तिशाली शक्तियों - इच्छा, विश्वास और अपेक्षा को समझना और महारत हासिल करना होगा। यह प्रसिद्ध कोट भारत के 11वें राष्ट्रपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कही थी। आज 15 अक्टूबर है और आज ही के दिन भारत के इस महान वैज्ञानिक ने देश की धरती पर जन्म लिया था। अब्दुल कलाम का भारत और उससे आगे की युवा पीढ़ी को लेकर उनका प्यार और विश्वास किसी से छिपा नहीं है। हर साल 15 अक्टूबर को देश और दुनिया भर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में 'विश्व छात्र दिवस' भी मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र था जिसने डॉ. कलाम के जन्मदिन 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाने के लिए मंजूरी दी। लोकप्रिय राष्ट्रपति के रूप में जाने जाने वाले डॉ. कलाम ने अपना अधिकांश जीवन युवा छात्रों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित कर दिया, और शिक्षण और सीखने के लिए उनके जुनून ने भारत और उससे आगे पर गहरा प्रभाव छोड़ा। वह अपनी विनम्रता, युवा पीढ़ी की क्षमता में विश्वास और विज्ञान और शिक्षा को राष्ट्रीय विकास के मार्ग के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए जाने जाते थे। डॉ. कलाम का जन्म 15 अक्टबर. 1931 को रामेश्वरम के पंबन द्वीप पर एक तमिल मुस्लिम परिवार में हुआ था। पंबन द्वीप तब मद्रास प्रेसीडेंसी में था और अब तमिलनाडु में है। हालांकि डॉ. कलाम के स्कूल के वर्षों में औसत ग्रेड थे, वे हमेशा एक उज्ज्वल और मेहनती छात्र थे, जिनमें सीखने की तीव्र इच्छा थी। उन्होंने अपना अधिकांश समय पढ़ाई, विशेषकर गणित पर बिताया। डॉ. कलाम को अपने जीवनकाल के दौरान कई पुरस्कार मिले, जिनमें 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ अपने अनुसंधान, विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत रत्न शामिल है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षक का 2015 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), शिलांग में एक भाषण देते समय कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया था।

पीएम मोदी ने भी किया याद

एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी याद किया। पीएम मोदी ने कलाम का एक वीडियो पोस्ट कर लिखा कि सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका विजन और चिंतन विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में देश के बहुत काम आने वाला है।

दिवाली पर रंग-बिरंगे फूलों से बनाएं 5 खूबसूरत रंगोली, आसान टिप्स से डिजाइन बनाने में नहीं लगेगा टाइम

दिवाली पर रंगोली बनाने के लिए कलर के अलावा कोई ओर ऑप्शन सोच रहे हैं तो फूल आपके बहुत काम आने वाले हैं। गेंदा के फूल, गुलाब की पत्तियों और सफेद फूलों के अलावा भी फ्लावर आपको मिल जाएंगे, जो रंगोली को खूबसूरत बनाने में मदद करेंगे। इसके लिए हम आपको कुछ फ्लावर रंगोली डिजाइन भी बता रहे हैं।

दिवाली के मौके पर हर कोई अपने घर, आंगन और बालकनी में रंगोली बनाना चाहता है। मगर कुछ लोग कलर का इस्तेमाल करने से परहेज करते हैं, लोगों को यह भी लगता है कि कहीं कोई केमिकल ना मिला हो। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें कलर से रंगोली बनाना बहुत ही मुश्किल लगता है। अच्छी-अच्छी डिजाइन बनाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अगर आप कलर के अलावा किसी ओर चीज से रंगोली बनाने का सोच रहे हैं, फ्लावर रंगोली एक बेस्ट ऑपशन हैं। फूलों की मदद से बनी खूबसूरत डिजाइन आपके घर को नेचुरल लुक देने भी मदद करती हैं। इतना ही नहीं इन रंगोली को बनाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं करती है। आसानी से ही डिजाइन बना सकते हैं, आपकी मदद के लिए हम कुछ डिजाइन भी बता रहे हैं। **यूनिक और छोटी रंगोली** दिवाली पर सबसे अलग रंगोली बनाने के लिए यह डिजाइन सबसे अच्छी रहेगी। इसके लिए आपको 4 तरह के फूलों के अलावा हरी पत्तियों की जरूरत भी होगी। पहले आपको अलग-अलग फूल 4 से 5 लेयर में सर्कल बनाने होंगे। उसके बाद अलग-अलग फूलों से तीन डिजाइन बनानी होगी, जैसा की फोटो में दिख रही हैं। आखिरी में हरी पत्तियों से हाफ-हाफ लेयर बनाने के बाद छोटे-छोटे फूलों को रखना होगा, इससे आपकी रंगोली कंप्लीट होने के साथ खूबसूरत दिखेगी।

बड़ी और आसान रंगोली इन बड़ी और आसान दिख रही रंगोली को बनाने में आपको ज्यादा टाइम नहीं लगेगा। अपनी पसंद के तीन कलर के फूलों से आप रंगोली को बना सकते हैं। सबसे पहले ऑरेंज गेंदा के फूल से एक बड़ा सर्कल बनाएं, कवर करते हुए दूसरे फूल से लेयर बनाएं। अब येलो गेंदा के फूल से बड़े-बड़े फूल बना दीजिए। इन्हें भी कवर करने के लिए दूसरे फूलों का इस्तेमाल करें। आप चाहें तो दो तरह के फूलों से भी यह रंगोली बना सकते हैं।

करवा चौथ पर लगाएं 5 में से एक मेहंदी डिजाइन, हाथों में पति का नाम देख हर कोई समझ बैठेगा नई-नवेली दुल्हन

आज हम आपको करवा चौथ के लिए 5 एक से बढ़ एक पति के नाम वाले मेहंदी डिजाइन दिखाने वाले हैं, जो आपके हाथों की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देंगे। आपकी शादी को भले ही 5-10 साल हो गए हों, लेकिन अगर ये मेहंदी डिजाइन लगा लेंगी तो हर कोई आपको नई-नवेली दुल्हन ही समझेगा।

करवा चौथ हर सुहागिन के लिए एक बहुत ही भावनात्मक पर्व होता है, क्योंकि इस दिन सभी औरतें अपने पति की लंबी उम्र का व्रत रखती हैं। इस पर्व में महिलाएं अच्छे से तैयार होकर माता करवा की पूरे विधि विधान से पूजा करती हैं। उनके इसी श्रृंगार का अहम हिस्सा है मेहंदी, जिसमें सुहागिनें अपने पति का नाम लिखवाती हैं।

इस बार आप अगर अपने पति के नाम की मेहंदी लगाने की सोच रही हैं तो हमारा ये लेख खास आपके लिए है। क्योंकि आज हम आपको 5 ऐसे बेहतरीन डिजाइन दिखाने वाले हैं, जो आपके हाथों की शोभा भी बढ़ाएंगे और पति जिन्हें देखते ही आपके हब्बी भी खुश हो जाएंगे। हर कोई आपके हाथों में पति के नाम की सुंदर मेहंदी देख आपको नई नवेली दुल्हन समझ बैठेगा।

शहनाई वाला मेहंदी डिजाइन

आपके हाथों पर ये शहनाई वाला मेहंदी डिजाइन बहुत ही ज्यादा खूबसूरत लगेगा और ये ऐसा डिजाइन है जिसे आपके हाथों पर देख हर कोई आपको नई-नवेली दुल्हन समझ बैठेगा। आप दिए गए डिजाइन को डिट्टो अपने हाथ में बनवा सकती हैं और पति का नाम लिखवा सकती हैं। शहनाई और नगाड़ा के साइड में लिखा पति का नाम देख सभी को लगेगा कि आपकी हाल ही में शादी हुई है।

3D डिजाइन वाली लटकन मेहंदी

आजकल मेहंदी के थ्री D डिजाइन खूब पसंद किए जा रहे हैं दुल्हनें भी अपने हाथों पर भी यही डिजाइन लगवा रही हैं। इस करवा चौथ आप भी इस तरह का थ्री D डिजाइन लगाएं और कलाई से नीचे ऐसा ही लटकन वाला डिजाइन बनवाएं।

आपके हाथों में ये मेहंदी डिजाइन देख सभी आपको नई नवेली दुल्हन समझ बैठेंगे। आप चाहें तो थ्री D डिजाइन के अंदर कोई दूसरा फूल भी बनवा सकती हैं।

बारीक मेहंदी डिजाइन

जब हाथों में बारीक डिजाइन वाली मेहंदी लगाई जाती है तो उससे हाथ और भी ज्यादा खूबसूरत दिखने लगते हैं। इसलिए हम आपके लिए एक बारीकी से लगाया गया मेहंदी डिजाइन लाए हैं। तस्वीर की तरह आप भी हाथ की उल्टी साइड सभी उंगलियों पर मेहंदी लगाएं। कोहनी तक लगी ये मेहंदी आपके हाथों पर बहुत सुंदर लगेगी।

इस जगह पर लिखें पति का नाम

आप चाहें तो तस्वीर में दिखाया गया मेहंदी का सेम डिजाइन अपने हाथों पर लगा सकती हैं और हथेली पर जहां पति का नाम लिखा है, वहां अपने पति का नाम लिख सकती हैं। ये बहुत ही यूनिक मेहंदी डिजाइन है, क्योंकि आपने देखा होगा कि ज्यादातर महिलाएं मोर या फिर कमल वाला मेहंदी डिजाइन लगा रही हैं। लेकिन इसमें बहुत ही खूबसूरत और बॉक्स वाला मेहंदी डिजाइन बनाया गया है, जो आपकी मेहंदी तो सबसे यूनिक बनाएगा।

दिल वाली मेहंदी में लिखें पति का नाम

अगर आप अपने हाथों में भरी हुई मेहंदी डिजाइन नहीं लगाना चाहती हैं तो ये डिजाइन आपको बहुत ही ज्यादा पसंद आएगा। इसमें बीच में आधा सर्कल बनाया गया है जिसकी बॉर्डर दिल वाली है और हथेली पर ही पति का नाम लिखा गया है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा और डिजाइन ऐड कर सकती हैं और पति के नाम को थोड़ा छोटा कर सकती हैं।

भारत के प्रमुख बल्लेबाज को गर्दन में परेशानी, बेंगलुरु टेस्ट से हो सकता है बाहर

भारतीय क्रिकेट टीम बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेलेगी। इस मैच में शुभमन गिल का खेलना संदिग्ध है। उनके खेलने पर फैसला मैच से पहले होगा। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम संयोजन पिच के हिसाब से तय किया जाएगा।

बेंगलुरुः भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए तैयार है। 3 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल का न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में होने वाले पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। गिल टेस्ट में भारत के लिए नंबर तीन पर बैटिंग करते हैं। चेतेश्वर पुजारा के ड्रॉप होने के बाद से वह इस नंबर पर खेल रहे हैं।

गिल के कंधे और गर्दन में दर्द शुभमन गिल के गर्दन और कंधे में दर्द की शिकायत है। सोमवार को गिल ने टीम मैनेजमेंट को इस तकलीफ के बारे में बताया। चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में नाबाद 119 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी। उन्होंने कानपुर टेस्ट की पहली पारी में 39 रनों की तेज पारी खेली थी, जिसे भारत ने दो दिन से भी कम समय में जीत लिया था। **मैच से पहले होगा खेलने पर फैसला** शुभमन गिल के खेलने पर फैसला मैच से पहले किया जाएगा। भारतीय टीम के पास अभी नंबर-3 पर उनकी जगह लेने का कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में गिल नहीं खेलते हैं तो केएल राहुल को ऊपर भेजा जा सकता है। वह टेस्ट में ओपनर रहे हैं। वहीं सरफराज खान या ध्रुव जुरेल को मिडिल ऑर्डर में खिलाने का विकल्प रहेगा। वहीं अक्षर पटेल भी नंबर-5 या 6 पर बैटिंग कर सकते हैं। टेस्ट में उनका बल्ले से शानदार रिकॉर्ड भी है। **पिच देखकर तय होगी प्लेइंग-11** कप्तान रोहित शर्मा ने मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बुधवार सुबह परिस्थितियों का आकलन करने के बाद प्लेइंग इलेवन पर फैसला लिया जाएगा। कप्तान ने कहा कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिच कवर के नीचे थी। परिस्थितियां के हिसाब से टीम संयोजन तय की जाएगी। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों में तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर खिलाए थे। चेन्नई और कानपुर की पिचें पूरी तरह से स्पिन के अनुकूल नहीं थीं और तेज गेंदबाजों के लिए भी उनमें कुछ न कुछ था।

जैक लीच के 'सरपट सिर' पर रगड़कर चमकाई गेंद, जो रूट की ये हरकत देख छूटेगी हंसी

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान की खराब शुरुआत रही। पहले 10 ओवर में ही इंग्लैंड के जैक लीच ने दो विकेट लिए। जो रूट ने गेंद को चमकाने के लिए लीच के सिर का उपयोग किया। कोविड के बाद आईसीसी ने थूक लगाकर गेंद को चमकाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुल्तानः पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला मुल्तान में शुरू हो गया है। इसी मैदान पर टेस्ट सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड ने पारी से जीत हासिल की थी। दूसरा टेस्ट उसी पिच पर खेला जा रहा है, जिस पिच पर सीरीज का पहला मुकाबला हुआ था। इस मैच में भी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। पहले 10 ओवर में ही इंग्लैंड ने दो बल्लेबाजों को वापस भेज दिया। दोनों ही विकेट जैक लीच ने लिया।

लीच के सिर पर रगड़ा बॉल इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच के सिर पर बाल नहीं है। इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट ने उनसे सिर पर गेंद रगड़कर उसे साइन किया। दरअसल पहले खिलाड़ी गेंद पर थूक लगाकर उनसे चमकाते थे। लेकिन कोविड आने के बाद से आईसीसी ने गेंद पर थूक लगाने को बैन कर दिया। अब खिलाड़ी पसीने से ही गेंद पर चमकाते हैं। जो रूट ने लीच के सिर से ही गेंद को चमकाने की कोशिश की।

रूट पहले भी कर चुके ऐसा यह पहला मौका नहीं है जब जो रूट ने जैक लीच के सिर पर गेंद को रगड़ा है। 2022 के पाकिस्तान दौरे पर भी रूट ने ऐसा किया था। एशिया में होने वाले टेस्ट मैचों में गेंद रिवर्स स्विंग होती है। इसके लिए गेंद में एक तरफ चमक होनी चाहिए। जो रूट इसके लिए लीच के सिर का ही इस्तेमाल कर लेते हैं।

पिच में स्पिन गेंदबाजों के लिए मदद मुल्तान की पिच में स्पिन गेंदबाजों के लिए मदद है। टेक्निकली यह मैच छठे दिन के पिच पर खेला जा रहा है। पहला टेस्ट मैच भी मुल्तान स्टेडियम की इसी पिच पर खेला गया था। लीच ने मैच के पहले दिन इतिहास भी रच दिया। उन्होंने टेस्ट के शुरुआती 10 ओवर में ही दो विकेट लिए। 1889 के बाद पहली बार टेस्ट में किसी इंग्लिश स्पिनर ने मैच के पहले 10 ओवर में विकेट लिया है।

बारिश खराब करेगी भारत-न्यूजीलैंड के पहले टेस्ट का मजा? जानिए बेंगलुरु में कैसा रहेगा मौसम का हाल

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बुधवार से शुरू हो रहा है। लगातार बारिश के कारण भारत का मंगलवार का अभ्यास सत्र रद्द हुआ। पहले दो दिनों के दौरान 70 से 90 फीसदी बारिश का अनुमान है।

बेंगलुरुः भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत बुधवार से हो रही है। सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर होना है। बेंगलुरु में लगातार बारिश हो रही है और इसकी वजह से भारत ने मंगलवार को अभ्यास नहीं किया। यह अभ्यास सत्र सुबह 9.30 बजे से होना निर्धारित था, जिसे बारिश के कारण शुरू में एक घंटे के लिए टाला गया। लेकिन जब परिस्थितियां नहीं सुधरीं तो इसे रद्द करना पड़ा। **मैच पर भी बारिश का खतरा**

सितंबर में बेंगलुरू में उतनी बारिश नहीं हुई थी, लेकिन अक्टूबर शुरू होते ही बारिश लगातार हो रही है। भारत और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच के पहले दो दिन 70 से 90 फीसदी बारिश का पूर्वानुमान है। इसके बाद अन्य दिन भी बारिश से प्रभावित रह सकते हैं। यही वजह है कि बेंगलुरु में भारत को जीत हासिल करनी है तो काफी मेहनत करनी पड़ेगी। नमी होने की स्थिति में पिच भी तेज गेंदबाजों को मदद कर सकती है।

बेंगलुरु का ड्रेनेज बेहतरीन पिछले कुछ दिनों से बेंगलुरु में लगातार बारिश हो रही है। सोमवार को भी बारिश हुई थी, हालांकि दोनों टीमों ने बारिश की लुका-छिपी के बीच अभ्यास किया था। लेकिन मंगलवार को ऐसा संभव नहीं हो सका क्योंकि सुबह से लगातार भारी बारिश हो रही थी और पिच के साथ-साथ स्क्वेयर मैदान भी कवर से ढका हुआ है। हालांकि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम का ड्रेनेज सिस्टम दुनिया में सबसे बेहतरीन है। यहां बारिश रुकने के घंट भर के भीतर मैच शुरू हो सकता है।

कानपुर टेस्ट भी रहा था प्रभावित

इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ भारत का कानपुर टेस्ट भी बारिश से लगभग तीन दिन तक प्रभावित रहा था। हालांकि मैच के चौथे दिन सिर्फ 34.4 ओवरों में 285 रन बनाकर भारत ने आखिरी दो दिनों में यह मैच जीत लिया था। भारत इस सीरीज में भी 3-0 की जीत चाहेगा, ताकि वह बिना किसी मुश्किल के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच सके।

चेहरा पीला, मन उदास, सपना चूर-चूर... टी20 विश्व कप से बाहर होने पर रोई पाकिस्तानी महिला टीम!

महिला टी20 विश्व कप 2024 के अहम मुकाबले में पाकिस्तान टीम को न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा। उसे इस मैच में 10.4 ओवरों में जीत की जरूरत थी। अगर वह ऐसा कर लेती तो सेमीफाइनल में उसे एंट्री मिल जाती, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के अहम मुकाबले में न्यूजीलैंड से हार के बाद पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की हालत खबरा दिखी। न केवल दर्शकदीर्घा में बैठीं पाकिस्तानी खूबसूरत फैंस के चेहरे पीले पड़ गए थे, बल्कि टीम की कप्तान सहित खिलाड़ियों का भी बुरा हाल था। सना फातिमा पिता के निधन के पास मैच खेलने दुबई लौटी थीं, लेकिन इस मैच में टीम को जीत नहीं दिला सकीं।

पाकिस्तान ने आसानी से घुटने टेक दिए न्यूजलैंड जब 110 रनों पर सिमटी तो लगा पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम कीवियों के खिलाफ अपने रिकॉर्ड को सुधार लेगी। अगर वह खुद नहीं सेमीफाइनल में पहुंचीं तो कम से कम भारत को तो पहुंचा ही देगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पूरी टीम 56 रनों पर ढेर हो गई।

पाकिस्तान के गेंदबाजों को छोड़ दिया जाए तो सब फेल पाकिस्तान ने गेंदबाजी के मोर्चे पर कमाल का प्रदर्शन किया। हालांकि, इस दौरान उसके फील्डरों ने 8 कैच छोड़े। अगर ये कैच नहीं छूटते तो शायद न्यूजीलैंड 80 से कम रनों पर ही सिमट जाती। कैच छोड़ने के अलावा इस दौरान रन आउट के मौके भी टीम ने गंवाए।

पाकिस्तान के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति पाकिस्तान महिला टीम के लिए यह बेहद शर्मनाक स्थिति जैसा है। दरअसल, 12 मैचों में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 10 बार हराया है। इस तरह का रिकॉर्ड किसी भी टीम के लिए शर्म की बात होगी।

अलग-थलग पड़ीं कप्तान सना हाल ही में पिता को खोने वाली सना पाकिस्तान लौटी थीं। पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद वह नेशनल ड्यूटी पर वापस लौटीं। उन्हें उम्मीद थी कि टीम करिश्मा करेगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

महिला टीम का पुरुष टीम की तरह बरा हाल है महिला टीम का पुरुष टीम की तरह बरा हाल है एक ओर पुरुष टीम लगातार खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं का सामना कर रही है तो दूसरी ओर महिला टीम भी इसी रास्ते पर है। दोनों टीमों में एक ही अच्छी बात है कि उनके कप्तानों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। **पाकिस्तान महिला क्रिकेट को नहीं मिलती तवज्जो** भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की तरह पाकिस्तान में महिला टीम को तवज्जो नहीं मिलती है। यहां महिला टीम का बुरा हाल है।

बाबर आजम ने जिसके साथ किया था अन्याय, उसने डेब्यू टेस्ट में जड़ा शतक, कौन है शाहीन अफरीदी का करीबी दोस्त?

पाकिस्तान के 29 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज कामरान गुलाम ने बाबर आजम की जगह टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया है। यह वही गुलाम हैं, जिन्हें पूर्व कप्तान बाबर आजम ने अपनी कप्तानी में टीम में जगह नहीं दी थी। उनका वनडे डेब्यू भी अजीब रहा था।

मुल्तानः पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन मंगलवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर कप्तान बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम में वापसी हुई है। पहला टेस्ट एक पारी और 47 रन से जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। स्टोक्स टीम में क्रिस वोक्स की जगह शामिल हुए, जबकि मैथ्यू पॉट्स को तेज गेंदबाज गुस एटकिंसन की जगह शामिल किया गया है। पाकिस्तान ने चार बदलाव करते हुए खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम को ड्रॉप (बाद में आराम देने का दावा किया) किया है। उनकी जगह कामरान गुलाम ने डेब्यू किया। कामरान ने डेब्यू पारी में ही सेंचुरी ठोक दी है। कामरान गुलाम वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें बाबर आजम की कप्तानी में 2023 में वनडे टीम में शामिल किया गया था। इस दौरान उन्हें बड़े ही अजीब स्थिति में डेब्यू कराया गया। वह मैच के दूसरे हाफ के दौरान हारिस सोहेल की जगह एक कनकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में टीम में शामिल हुए। इस वजह से उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्हें बाबर आजम ने हालांकि प्लेइंग-11 में मौका ही नहीं दिया। यह इसलिए भी हैरान करने वाली बात यह है कि वह डोमेस्टिक क्रिकेट कायदे आजम ट्रॉफी के एक ही सीजन में 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले गुलाम शाहिद अफरीदी के दामाद यानी शाहीन अफरीदी के करीबी कहे जाते हैं। यहां बताना जरूरी है कि वह 3 बार की पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल चैंपियन टीम का हिस्सा रहे हैं। इस दौरान अफरीदी की कप्तानी में भी वह चैंपियन टीम में खेले। उन्होंने 2016 में इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ अपना पहला PSL खिताब जीता। बाद में वह शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में 2022 और 2023 में लगातार खिताब जीतने वाली विनिंग लाहौर कलंदर्स टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को उसके घर में घुस कर पीटा, मुल्तान में दी शर्मनाक हार दूसरी ओर, अंडर-19 विश्व कप 2014 में कामरान गुलाम ने पाकिस्तान टीम के साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा किया। उन्होंने छह मैचों में 100 रन बनाए और 3 विकेट लिए, जिससे पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब किंग्स एक ऐसी टीम है, जिसे वाकई में एक अच्छे कप्तान की जरूरत है। विकेटकीपर के तौर पर युवा जितेश शर्मा जरूर हैं, लेकिन ऋषभ पंत एक बड़ा नाम हैं। अगर वह ऑक्शन में उतरे तो प्रीति जिंटा की सह-मालिकाना हक वाली यह टीम बड़ी कीमत पर भी पंत को टीम से जोड़ने से पीछे नहीं हटेगी। उसने पहले भी प्लेयर्स पर खूब खर्च किए हैं, लेकिन अभी तक उसकी आईपीएल ट्रॉफी जीतने की तमन्ना पूरी नहीं हो सकी है। चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी विकेटकीपर कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 5 बार आईपीएल ट्रॉफी जीती। फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ के पास कप्तानी है, लेकिन अगर मौका मिला तो धोनी की टीम पंत पर जरूर दांव लगाना चाहेगी। पंत धोनी को अपना गुरु भी मानते हैं। वह अक्सर कहते भी हैं कि माही भाई ने काफी कुछ सिखाया है। अगर पंत CSK से जुड़े तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए कि वह कप्तान भी बन जाएं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एक और ऐसी टीम है, जो अपनी पहली ट्रॉफी के लिए जूझ रही है। विराट कोहली टीम के स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि विकेटकीपर के तौर पर पिछले सीजन तक दिनेश कार्तिक थे। हालांकि, उनके संन्यास के बाद से विकेटकीपर और फिनिशर की पोस्ट खाली है। अगर पंत टीम से जुड़ जाएं तो टीम की एक बड़ी कमी खत्म हो सकती है। मुंबई इंडियंस के ईशान किशन हैं, लेकिन उनका पंत उनसे कहीं बेहतर माने जाते हैं। पंत टीम इंडिया में लगातार खेल रहे हैं। तीनों फॉर्मेट में वह फिट बैठते हैं। अगर वह ओपन ऑक्शन में जाते हैं तो मुंबई भी उन पर दांव लगाने से खुद को रोक नहीं सकेगी। पिछले सीजन हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया था, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर सके। केएल राहुल टीम के कप्तान रहे हैं, लेकिन पिछले सीजन में मैदान पर हार के बाद उनकी मालिक संजीव गोयनका के बीच बातचीत ने हर किसी को हैरान कर दिया था। बिजनेसमैन संजीव गोयनका उन्हें लताड़ लगाते नजर आए थे। माना जा रहा है कि केएल राहुल आरसीबी लौट सकते हैं और लखनऊ टीम उन्हें रिटेन नहीं करेगी। अगर ऐसा हुआ तो लखनऊ भी पंत पर बड़ी बोली लगाने से पीछे नहीं हटेगी। संभव है कि वह उन्हें कप्तान भी बना दे। गुलाम का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 59 मैच खेले हैं और 49.17 की औसत से 4,377 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं। उनका जन्म 10 अक्टूबर 1995 को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुआ था और वह बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर भी हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 खलकुटवा टाटू रोड पुलिस स्टेशन टांगी में विजय जनरल स्टोर ... चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ़ोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670